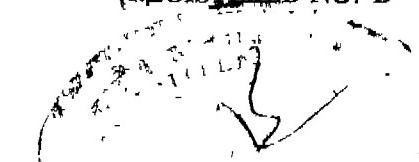


भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० ४७] नई दिल्ली, अम्बिला८, नवम्बर २१, १९८१ (कार्तिक ३०, १९०३)

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21, 1981 (KARTIKA 30, 1903)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह भलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च स्थायालयों, नियन्त्रक और बहालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत रेलवे के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 23 अक्टूबर, 1981

सं० ए० 32013/1/81-प्रशा०-I—केंद्रीय सचिवालय सेवा के नियन्त्रित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र०	नाम	अवधि
सं०		

सर्वश्री

- य० रा० गांधी . 26-5-81 से 25-8-81 तक
- वेद प्रकाश . 26-5-81 से 31-7-81 तक
- बी० के० भट्टाचार्य . 16-6-81 से 15-9-81 तक
- ए० स० के० मिश्र . 29-6-81 से 28-9-81 तक

गच० सी० जाटव,
संयुक्त सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्येषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

प्रदर्शन-पत्र

संख्या ए-35018/15 '79-प्रशासन-।---दिनांक 18-7-81 की समसंख्यक अधिसूचना की छठी लाइन में “पूर्वाह्न” के स्थान पर “अपराह्न” पढ़ा जाए।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

मं. ए-19021/8/81-प्रशासन-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद में श्रीमती कचन सी भट्टाचार्या, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1973) को दिनांक 12-10-81 के पूर्वाह्न से प्रति-नियुक्ति पर केन्द्रीय अन्येषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

का. ली. शेवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्येषण व्यूरो

महान्देशानय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, विनांक 24 अक्टूबर 1981

मं. ए०-2/6/81-स्थापना-के फि. प०. बल—राष्ट्रपति जी समृद्ध केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, गांधी नगर के कमान्डेंट श्री पी बी स्क्वाराव को दिनांक 1-10-80 से 31-1-81 और 1-3-81 से 22-3-81 तक 68वीं आहिनी के फि. प०. बल का कमान्डेंट अपने जार्यभार के अतिरिक्त नियुक्त करते हैं।

सं. एफ. 2/6/81-स्थापना-के. रि. पु. बल—राष्ट्रपति जी समूह केन्द्र, के. रि. पु. बल, नीमच के कमान्डेंट श्री सी. पी. सिंह को दिनांक 1-10-80 से 20-3-81 तक 65वीं वाहिनी, के. रि. पु. बल का कमान्डेंट अपने कार्यभार के अतिरिक्त नियुक्त करते हैं।

सं. ओ. दो. 1578/81-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. सुरेन्द्र सिंह को 1-9-1981 के अपराह्न से केल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं. पी. 7-5/81-स्थापना:—राष्ट्रपति निम्नलिखित जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप उनके सामने दर्शाई गई तिथियों से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-I (सहायक कमान्डेन्ट) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद तथा पूर्व यूनिट जहां चार्ज दिया	चार्ज देने की तारीख	पद तथा नई यूनिट जहां चार्ज लिया	चार्ज लेने की तारीख
1. डा० के० डी० सारंगी	. जी० डी० ओ० ग्रेड-II वे० हा० हैदराबाद	22-8-81 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I वे० हा० हैदराबाद	22-8-81 अपराह्न	
2. डा० एस० एन० दास	. जी० डी० ओ० ग्रेड-II 9-बटालियन	12-9-81 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० गोहाटी	17-9-81 पूर्वाह्न	
3. डा० पी० सी० साहू	. जी० डी० ओ० ग्रेड-II 62-बटालियन	28-8-81 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० दुर्गापुर	29-8-81 अपराह्न	
4. डा० एस० आर० दास	. जी० डी० ओ० ग्रेड-II वे० हा० नई दिल्ली	3-9-81 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० वन्तालाब	7-9-81 पूर्वाह्न	
5. डा० पी० सी० धीर सामन्ता	. जी० डी० ओ० ग्रेड-II 22-बटालियन	7-9-81 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० पल्लीपुरम	22-9-81 पूर्वाह्न	
6. डा० के० सी० परीदा	. जी० डी० ओ० ग्रेड-II जी० सी० नीमच	24-8-81 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० नीमच	24-8-81 पूर्वाह्न	

डा० पी० सी० धीर सामन्ता तथा के० सी० परीदा की पदोन्नति अस्थाई रूप से अवकाश रिक्तियों के विस्तृद की गई है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ओ. दो.-1605/81-स्थापना—राष्ट्रपति डा. विनोद कुमार गोगर्धी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-I (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 1 अक्टूबर 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टररी परक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी, सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. 10/20/79-प्रश्ना.-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा दिभाग) में वरिष्ठ तकनीकी रुहायक (भाषा) के पद पर कार्यरत डा. एस. बूपाथी को उसी कार्यालय में तारीख 26 सितंबर, 1981 के अपराह्न से अगले आदेशों तक अस्थायी

रूप से नियमित आधार पर भाषाकार्यालय के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा. बूपाथी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं. 11/75/79-प्रश्ना.-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 26-11-1980 की समसंस्थक अधिसूचना के अनुक्रम में भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-I। के अधिकारी श्री एस. के. गांधे को संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दीव तथा दादरा और नागर हवेली में पूँज़: तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी अवधि पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गांधे का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं. 11/2/80-प्रश्ना.-1—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी. के. सिन्हा को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 सितंबर 1981 के पूर्वाह्न से एक दर्श की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर

भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ आधार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा का मुख्यालय भागलपुर में होगा।

सं. 11/32/81-प्रश्ना.—।—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री आर एस. पाण्डे को उसी कार्यालय में सारीले 7 सितंबर, 1981 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष से अधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णत अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदान्तित द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति सर्वाधिकत अधिकारी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कार्यरत हक प्रदान नहीं करती। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदान्तित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति

प्राधिकारी के लिवेके पर किसी भी समय बिना कार्य कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

3. श्री पाण्डे का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

पी पदमनाभ, भारत के महापंजीकार

मरदार वल्लभभाई पटेल

राष्ट्रपीय पूलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं 15011/13/79-स्थापना—मध्य लोक सेवा आयोग की मिफारिश के आधार पर श्री अनील कुमार सर्वसेना की स.व.प. राष्ट्रीय पूलिस अकादमी, हैदराबाद में प्रशिक्षण प्रविधि में रीडर (वर्ग स-राजपत्रित) के पद पर 840 रुपये -40-1000-इरो-20-1200 रुपये के वेतनमान में तथा केन्द्रीय सरकार के नियमाधीन प्राप्य अन्य भर्तों के साथ 11 सितंबर, 81 पूर्वाह्न से तथा अगले आष्टों के जारी होने तक की जाती है।

बी. के. राय
निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002 दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं 46-वा० ले० प०-।/196-81.—अपर उप नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक (वा०) निम्नतिख्यत अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्र०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहा पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहा पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप ० तैनात किए गए	लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
१	२	३	४	५
	सर्वंशी			
1.	राजेन्द्र कुमार	. . . भारत के नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	29-7-81
2.	गौरगंगलाल मुखर्जी	. . . सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० (कोयला) कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० (कोयला) कलकत्ता	8-7-81
3.	निरंजन चक्रवर्ती	. . . —बही—	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल कलकत्ता	9-7-81
4.	सूर्य कान्त सदाशर्ती	. . . सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० देहरादून	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प० राज्यी	29-7-81
5.	टी० के० चेल्लप्पा	. . . महालेखाकार, (वाणिज्यिक) तमिलनाडु मद्रास	महालेखाकार, कर्नाटक बंगलौर	23-7-81
6.	जगदीश प्रसाद गुप्ता	. . . महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निं० वा० ले० प०, बम्बई	24-8-81

1	2	3	4	5
7.	योगेश कुमार अग्रवाल	महालेखाकार-II मध्य प्रदेश रवालियर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प० राजी	31-7-81
8.	कैलाश चन्द्र गुप्ता	महालेखाकार राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प० भूम्भाई	24-8-81

एम० ए० सोमेश्वराराव
जप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम मध्यप्रदेश

रवालियर, दिनांक 22 अक्टूबर 1981

क्रमांक प्रशासन-एक/पी.एफ.पी.डी.आ./284—श्री पी.डी.आहुजा, (01/0139) कार्यालय महालेखाकार-प्रथम मध्य-प्रदेश के स्थार्थ लेखा अधिकारी को अधिकारीकी को आय हो जाने पर दिनांक 31-10-81 को अपराह्न से शासकीय सेवा में निवृत्त किया जाता है।

धूम्रधूम्रण साहू, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्रप्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस. माधव राव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वी. लक्ष्मीनारायण प्रभु को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री. पौ. गोपेल राजू को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के. विठ्ठल को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा प्रमोशन की तारीख अभी निश्चित नहीं है। के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी. बालानंद राव को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वी. रामस्वामी को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 12-10-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री. ए. जुबेरी को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु. 840-40-1000-इ.बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रश्न। /8-132/81-82/313—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी. प्रसाद राव को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद इवारा बेतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि. -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रश्न। /8-132/81-82/313—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के. वीरभद्रन्द्या को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद इवारा बेतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि. -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रश्न। /8-132/81-82/313—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर. के. शर्मा को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद इवारा बेतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि. -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रश्न। /8-132/81-82/313—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम. श्रीराम शर्मा को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद इवारा बेतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि. -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रश्न। /8-132/81-82/313—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी. बी. रामकोटेश्वर राव को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद इवारा बेतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि. -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. हरिहरन, वरिष्ठ उपर महालेखाकार (प्रशासन)

दिनांक 26 सितंबर 1981

का. आ. प्रशासन-111/351 23(ए)(2) सूचनाएँ—निदेशक लेखापरीक्षा डाक-तार ने सहर्ष, डाक-तार शास्त्र लेखापरीक्षा कार्यालय हैदराबाद के अनुभाग अधिकारी श्री टी. एस. श्री निवासन को पदोन्नति कर उनके स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर विनांक 12-8-81 पूर्वाह्न से नियुक्त किया है तथा उन्हें, अगले आदेशों तक उप निदेशक लेखा परीक्षा, डाक-तार लखनऊ के प्रशासनिक नियंत्रण में निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, महांप्रबन्धक दूरभाष कानपुर-तैनात किया गया है।

पदोन्नति तदर्थ आधार पर है और संशोधाधीन है।

केवल भापर, सहायक निदेशक लेखा परीक्षा (मुख्यालय)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा,

दक्षिण पूर्व रेलवे, गाडेनरीच,

कलकत्ता-700043, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. प्रश्न। /33-2 ए/75/3133—निदेशक लेखा परीक्षा, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखा सेवा के अस्थायी सदस्य, श्री बानी कंठ मिस्त्री को विनांक 3-10-81 के पूर्वाह्न से लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश तक पदोन्नति किया गया।

अ-ना-ध्वक्क, निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. प्रश्न। II/2603/81-I—रक्षा लेखा महानियंत्रक एतद् द्वारा निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तारीख के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारियों के रूप में, स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं.	नाम	संगठन जहां सेवारत है	प्रभावी तारीख
1	2	3	4
सर्वे श्री			
1.	टी० के० महालिंगम	रक्षा लेखा महानियंत्रक	1-1-80
		नयी दिल्ली-22	
2.	बिज राज सहगल	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-4-81
3.	शिवचरन सिंह	अन्य रेंक (उत्तर) मेरठ।	1-1-80
4.	मनोहर लाल छर्मा	मध्य कमान, मेरठ।	1-4-81

1	2	3	4	1	2	3	4
		सर्व श्री				नौ सेना लेखा,	1-4-81
5.	रामचन्द्र मलहोत्रा	प्रन्य रैक (उत्तर), मेरठ।	1-4-81	32.	के० बी० माली	बम्बई।	
6.	जे० दी० कौशिक	मध्य कमान, मेरठ।	"	33.	मोहन चन्द्र भट्ट	पटना।	"
7.	सुरेन्द्र नाथ शर्मा	उत्तर/कमान,	"	34.	योगराज ओबेराय	मध्य कमान, मेरठ।	"
8.	दी० पी० भट्टाचार्य	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	35.	राजकुमार सूद	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
9.	राजेन्द्र सिंह	पश्चिमी कमान, मेरठ	"	36.	आर० कृष्णन	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
10.	ई० के० गोड बोले	अपसर पुणे।	"	37.	आर० बी० कुलकर्णी	आफसर, पूना।	"
11.	एन० नियाज आहमद	अन्य रैक (दक्षिण) मद्रास।	"	38.	सूरज प्रकाश आनन्द	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
12.	जी० कल्याण सुन्दरम	—तदैव— वायु सेना, देहरादून।	"	39.	यू० बी० खट्टर	अन्य रैक (उत्तर) मेरठ।	"
13.	एल० थी० बर्गीज	पश्चिमी कमान,	"	40.	बी० एम० पाण्डेय	दक्षिणी कमान पूना।	"
14.	प्रमृत लाल मलहोत्रा	मेरठ।	"	41.	कुलबन्त सिंह बलशी	वायु सेना देहरादून।	"
15.	ओम प्रकाश कपूर	उत्तर क न,	"	42.	एल० आर० राजामणि	—तदैव—	"
		जम्मू।	"	43.	नरेश प्रसाद जैन	निधि, मेरठ।	"
16.	बी० रामचन्द्रन-III	अन्य रैक (दक्षिण), मद्रास।	"	44.	पी० के० मोहनदास	नौ सेना लेखा, बम्बई।	"
17.	पथ सेन	वायु सेना, देहरादून।	"	45.	ए० नारायणाचार	दक्षिणी कमान, पूना	"
18.	आनन्द वर्धन ओबेराय	मध्य कमान, मेरठ।	"	46.	टेक चन्द्र धावर	उत्तरी कमान, जम्मू	"
19.	ए० एस० नागराजन	अन्य रैक (दक्षिण), मद्रास।	"	47.	एम० के० बोरवलू	अन्य रैक (उत्तर), मेरठ।	"
20.	बी० के० चटर्जी	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	48.	भनूप सिंह वर्मा	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
21.	कृष्ण लाल भाडारी	मध्य कमान, मेरठ।	"	49.	बी० के० राम प्रियन	दक्षिणी कमान, पूना	"
22.	टी० बी० राधा कृष्णन	अन्य रैक (उत्तर), मेरठ।	"	50.	एम० एल० छोंगरा	वायु सेना, देहरादून।	"
23.	इकबाल राय जैदका	मध्य कमान, मेरठ।	"	51.	बीलत राम सेठी	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
24.	शी० एस० कुलकर्णी	दक्षिणी कमान, पूना।	"	52.	वेव स्वरूप सेठी	नौ सेना लेखा, बम्बई।	"
25.	आर० के० तिवारी	पटना।	"	53.	आर० एस० बोहरा	पश्चिमी कमान, मेरठ	"
26.	टी० सुन्दररामन	नौ सेना, लेखा, बम्बई।	"	54.	के० ए० कुमार स्वामी	दक्षिणी कमान, पूना	"
27.	दासू राम गुरवारा	पेशन इलाहाबाद।	"	55.	ओम कुमार	अन्य रैक (उत्तर)	"
28.	एम० बीरा राधवाल	अन्य रैक (उत्तर), मेरठ।	"	56.	शिवनाथ राय शर्मा	सर्वज्ञ	"
29.	श्याम लाल नारग	फैक्ट्रीज कलकत्ता।	"	57.	राज कुमार शर्मा	तदैव	"
30.	राम प्रकाश	पेशन, इलाहाबाद।	"	58.	आर० शंकर नारायणन	वायु से देहरा- दून।	"
31.	ए० पी० हेमचन्द्रन	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	59.	आर० श्रीनिवासन	दक्षिणी कमान, पूना।	"
		पेशन, इलाहाबाद।	"	60.	विश्वमाथ	पेशन, इलाहाबाद।	"

1	2	3	4
सर्वे श्री			
61. रघुबीर सिंह	पटना।	1-4-81	
62. टी० ए० नारायणन	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
63. बी० एम० जयरामन	अफसर, पूना	"	
64. ए० के० दत्ता	पेंशन इलाहाबाद	"	
65. गोवर्धन लाल बाली	पश्चिमी कमान,	"	
	मेरठ।		
66. के० शेषाद्री	अन्य रैक(दक्षिण)	"	
	मद्रास		
67. एन० आर० निमकर	अफसर, पूना	"	
68. सोहन लाल विज	उत्तरी कमान,	"	
	जम्मू		
69. नवल किशोर अग्रवाल	मध्य कमान,	"	
	मेरठ।		
70. विश्व नाथ बनर्जी	फैक्ट्रीज कलकत्ता	"	
71. आर० सन्थाना कृष्णन	पटना	"	
72. टी० विठ्ठल राव	अन्य रैक(दक्षिण)	"	
	मद्रास		
73. धर्मेन्द्र सिंह गर्ग	अन्य रैक(उत्तर), मेरठ	"	
74. सोहन लाल नन्दा	पश्चिमी कमान,	"	
	मेरठ		
75. एम० राम कृष्ण	अन्य रैक(दक्षिण),	"	
	मद्रास		
76. अविनाश चन्द्र खन्ना	उत्तरी कमान,	"	
	जम्मू		
77. ए० श्रीनिवासन	अफसर, पूना	"	
78. सुकुमार गंगुली	अन्य रैक (उत्तर)	"	
	मेरठ		
79. टी० वैकटाचलपति	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
80. मोहन लाल अंगरा	वायु सेना, देहरादून	"	
81. ए० गणदेसीकन	दक्षिणी कमान, पूना	"	
82. के० बी० कृष्णामूर्ति	—तदैव—	"	
83. चमन लाल	पश्चिमी कमान,	"	
	मेरठ		
84. के० एल० भारद्वाज	अन्य रैक(उत्तर)	"	
	मेरठ		
85. जी० रामामूर्ति	अफसर, पूना	"	
86. मनोहर सिंह	अन्य रैक(उत्तर)	"	
	मेरठ		
87. डी० सी० मुख्यर्जी	पटना	"	
88. एम० वैकटरामन	—तदैव—	"	
89. पी० एन० एस० राघवन	अन्य (दक्षिण), मद्रास	"	

1	2	3	4
सर्वे श्री			
90. सुखदयाल ग्रोवर	मध्य कमान, मेरठ	1-4-81	
91. हरदेव सिंह	पेंशन इलाहाबाद	"	
92. मोहन लाल बहल	पश्चिमी कमान, मेरठ	"	
93. अर्जित कुमार राय	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
94. एम० सी० सर्वेश	—तदैव—	"	
95. के० डी० सहाय	पटना	"	
96. शिवचरन सेगन	वायु सेना, देहरादून	"	
97. पारस राम लाल्हा	अन्य रैक(उत्तर)	"	
	मेरठ		
98. जी० ई० कृष्णामूर्ति	अन्य रैक(दक्षिण)	"	
	मद्रास		
99. कैलाश चन्द्र गुप्त	पेंशन, इलाहाबाद	"	
100. श्रीराम कटियाल	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
101. एम० एस० प्रभु	दक्षिणी कमान, पूना	"	
102. विद्या सागर	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
103. वंश राज जैन	अन्य रैक(उत्तर) मेरठ	"	
104. विष्णु कुमार श्रीवास्तव	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
105. अजमतुल्लाह खान	पटना	"	
106. एम० एन० वैकटेशन	नौ सेना लेखा, बंबई	"	
107. ए० आर० लाजाराडू	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
108. टी० के० राजाप्पन नायर	अफसर, पूना	"	
109. के० सारंग रत्नम	अन्य रैक(दक्षिण)	"	
	मद्रास		
110. लक्ष्मी नारायण सिंह	अन्य रैक (उत्तर)	"	
	मेरठ		
111. सदा सुख वर्मा	पेंशन इलाहाबाद	"	
112. एन० गोविन्द राव	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"	
113. टी० आर० सम्पत	अफसर, पूना	"	
114. एम० एस० विश्वनाथन	अफसर, पूना	"	
115. सुशील कुमार	पटना	"	
116. जसवन्त राय	उत्तरी कमान, जम्मू	"	
117. एम० पी० गुप्ता	अन्य रैक(उत्तर)	"	
	मेरठ		
118. ए० के० चक्रवर्ती	पटना	"	
119. जे० के० शर्मा	वायु सेना, देहरादून	"	
120. शान्ति कुमार जैन	अन्य रैक(उत्तर)	"	
	मेरठ		
121. गोलाम्बुजुन	नौसेना लेखा, बंबई	"	

1	2	3	4
122.	एच० के० प्रस्त्राद राव	दक्षिणी कमान, पुना	1-4-81
123.	सोहन लाल कुमार	पटना	"
124.	सतपाल सेठी	पैशन, इलाहाबाद	"
125.	राम नाथ	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
126.	श्री कृष्ण कुमार गोयल	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"

ए० के० घोष,
रक्षा लेखा उप-महानियंत्रक (परियोजना)

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकर रखा विकास आयुक्त कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 24 सितंबर 1981

सं. ए. -32013/9/80-व्यवस्था-।।(ए)---राष्ट्रपति, स्थायी आट० डिजायनर, श्री श्रीराम गुप्त को 25 फरवरी, 1981 से आगामी आदेशों तक के लिए इस कार्यालय के अधीन बूनकर सेवा केन्द्र में सहायक निदेशक ग्रेड-। (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/8/80-व्यवस्था-।।-(क)---राष्ट्रपति, तकनीकी अधीक्षक श्री एग. के. सरकार को 24 अगस्त 1981 से आगामी आदेशों तक के लिये बूनकर सेवा केन्द्र, भेरठ में सहायक निदेशक ग्रेड-। (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर, अधिकारिक विकास आयुक्त (हथकरघा)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-19, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए-12011/5/78-स्था.---इस निदेशालय की 11 फरवरी, 1981 की छसी संस्था की अधिसचना के क्रम में वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में स्थानापन्न रसायनक श्री ए. के. भारद्वाज को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 3 जूलाई, 1981 से 27 विसंबर 1981 तक अधिकारी के नियमित आधार पर भर्ते जाने तक, जो भी पहले हो, अहमदाबाद में 650-30-740-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 26-6-1981 के पूर्वाह्न से पदान्तरित पर नियुक्त किया जा रहा है।

पी. एस. शीमा, मुख्य निदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. प्र.-1/(1182)/81---महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री के. एम. राजन, कनिष्ठ धोत्र अधिकारी को दिनांक 19-10-81 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में

सहायक निदेशक (ग्रेड-।।) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री के. एम. राजन की तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-।।) के पद पर उन्नति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा और तदर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरीयता और पदान्तरि तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं. प्र. ।।/1(1180)/81---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बस्त्राई के कार्यालय में अधीक्षक श्री एम. एस. मधुरा को दिनांक 5-9-1981 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-।।) के रूप में स्थानीय तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मधुरा की सहायक निदेशक (ग्रेड-।।) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं मिलेगा तथा उनके बूनारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता और पदान्तरि की पात्रता व स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

एस. एल. कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)
कूसे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और सान मंत्रालय

(सान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 सितंबर 1981

सं. 5506बी/ए-32013 (ए.आ.)/78/19४---भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जमील एहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-व. रो. -35-880-40-1000-व. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री के. रागाचारी के अवकाश दिक्षित के स्थान पर 26-6-1981 के पूर्वाह्न से पदान्तरि पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. 6952बी/ए-19012(2-एस एम वाई)/81-19बी.---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिक) को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-व. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 25-7-81 के पूर्वाह्न में पदान्तरि पर नियुक्त किया जा रहा है।

1. श्री शिव शंकर यावत

2. श्री राजेश्वर नाथ कपूर

3. श्री शिव राम प्रसाद

वी. एस. कृष्णस्वामी, महा निदेशक

भारतीय सान व्यूरो
नागपुर, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. ए.-19011(46)/70-स्था. ए.---अफगानिस्तान सरकार के माथ खनिज प्रयोग मलाहकार के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् श्री टी. के. बसू, भारतीय खनिज विभाग में वापस आ गये हैं और दिनांक 17-12-80 के पूर्वाह्न से उप-सान नियंत्रक का पद-भार ग्रहण कर लिया है।

सं. ए.-19011(34)/स्थापना-ए./75—मंत्रालय के पश्च संख्या ए.-44018/138/80-एम.-6 दिनांक 15-9-81 व्वारा स्वीकृति प्रदान करने के कारण दिनांक 31-8-1981 (अपराह्न) को सेवानिवृत्ति होने पर श्री श्री. जे. कोडकर, खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी), भारतीय सान व्यूरो तथा स्थायी प्रेष्ठ-11। आई. एस. अधिकारी का नाम खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) के पद से दिनांक 31-8-1981 (अपराह्न) से इस विभाग की स्थापना से काट दिया है।

एस. वी. अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय सान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

सं. ए.-32013/1/80-एस-पांच—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस. पी. सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली को आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में 29 सितम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से तदर्थ रूप में स्थानापन्न क्षमता में लेखा नियंत्रक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अक्टूबर 1981

सं. 2/5/68-एस. दो (भाग दो)—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी. डी. अचारी, लखाकार, सी. एस. य. आकाशवाणी, बम्बई 7-10-81 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, पानाजी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. 3/32/69-एस. दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर. लोगानन्दन, प्रशासनिक अधिकारी एच. पी. टी. अबदी—मद्रास 30-9-81 (पूर्वाह्न) में सीनियर प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र लखनऊ के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एच. एन. विश्वास
उपनिदेशक प्रशासन
कृत महानिदेशक

मूलना और प्रमारण मंत्रालय

विज्ञापन और इश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. ए.-12025/2/80-स्था.—विज्ञापन और इश्य प्रचार निदेशक श्री ए. मव्वारायमूर्ख को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर 2-336GI/81

अस्थायी रूप से 19 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज निसी
उप निवेशक (प्रशासनिक)
कृत विज्ञापन और इश्य प्रचार निवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/8/77 (जे. आई. पी.)/प्रशासन-1—सेवा निवृत्ति आय. के हो जाने पर डा. आर. राजन ने 31 अगस्त, 1981 के अपराह्न से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा विभाग तथा अनुसंधान मंस्थान, पांडिचेरी से जीवरसायन के महायक प्रोफेसर के पद का भार छोड़ दिया है।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. ए.-12025/16/80-(एच. क्यू.)प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री ए. के. श्रीवास्तव को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 12 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक महायक मनिचर (भारतीय भैषज समिति) के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त किया है।

2. श्री ए. के. श्रीवास्तव के महायक मनिचर (आई. पी. मी.) नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री पी. के. ग्रहा को 6 अक्टूबर, 1981 (अपराह्न) में मेडिकल स्टोर डिपो, मध्यास में सहायक डिपो प्रबंधक के पद पर नियुक्त हो गये हैं सभी जापे।

शाम लाल कठियाला
उप निदेशक प्रशासन (सं. एवं पृधनि)

ग्रामीण प्रनिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. ए.-19023/13/78-प्र. त्र.—इस निदेशालय के अधीन उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-11) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री जमनलाल ने दिनांक 23-9-81 की अपराह्न में आमनगर में विपणन अधिकारी (वर्ग-11) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए. 19023/6/81-प्र. त्र.—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की संस्तूतियों के अनुसार श्री आर. के. व्याघरा को जो इस निदेशालय के अधीन नामिक रोड में दिनांक 28-2-1981 (पूर्वाह्न) से तदर्थ अधार पर स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-1), के पद पर काम कर रहे हैं, उसी मूल्यालय में दिनांक 26-9-81 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. ए.-35014/2/78-प्र.-111—अण्डमान नीकोबार प्रशासन के अधीन किष्ण निदेशालय, पोर्ट ब्लेयर में इस निदेशालय के विपणन अधिकारी श्री आर. सुब्रमण्यम की प्रतिनियुक्ति को दिनांक 18-9-81 से प्रतिनियुक्ति की वर्तमान शर्तों पर एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए.-19025/53/81-प्र. त.—इस निवेशालय में निम्नलिखित व्यक्ति उनके आगे लिखी तिथि से स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किए गए हैं :—

- (1) श्री विवेक गायासेन—28-9-81 (पूर्वाह्न)
- (2) श्री गुलाम मूहम्मद रब्बानी—30-9-81 (पूर्वाह्न)
- (3) श्री लोकेश क. मार—30-9-81 (पूर्वाह्न)
- (4) श्री दीनानाथ श्रीवास्तव—1-10-81 (पूर्वाह्न)
- (5) श्री अशोक क. मार गर्ग—1-10-81 (पूर्वाह्न)।

दिनांक 2 नवम्बर 1981

सं. ए.-19023/13/81-प्र. त.—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम. कुरालनाथन, सहायक विषयन अधिकारी को इस निवेशालय के अधीन अबोहर में दिनांक 3-10-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विषयन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. विषयन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री कुरालनाथन ने दिनांक 1-10-81 के अपराह्न में फरीदाबाद में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री. एन. मनिहार
निवेशक प्रशासन
कृत कृषि विषयन एवनाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बर्स-400085, दिनांक 15 अक्टूबर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-11।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री अब्दुल करीम मुहीउद्दीन नाइक, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने के लिए इस अनुसंधान केन्द्र में 17-8-81 से 3-10-81 अपराह्न तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-11।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री विठ्ठल रामचन्द्र शिवले, सहायक सुरक्षा अधिकारी (एम. जी.) को इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सेवा के लिये तत्वर्थ आधार पर दिनांक 4-9-81 से 7-10-81 (अपराह्न) तक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमार भेनोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

(परमाणु स्निज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं. प. रु. प्र-8/81/-भर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु स्निज प्रभाग के निवेशक एतद्वारा परमाणु स्निज प्रभाग में

स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न लेखापाल, श्री जे. के. शर्मा को उमी प्रभाग में श्री डी. एस. इसरानी, सहायक लेखा अधिकारी की लेखा अधिकारी-।। के पद पर पदोन्नति हो जाने से, 22-8-1981 से 24-11-1981 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प. रु. प्र-8/1/81-भर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु स्निज प्रभाग के निवेशक एतद्वारा परमाणु स्निज प्रभाग में स्थायी लेखापाल और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री डी. एस. इसरानी को उसी प्रभाग में श्री के. पी. शेखरला, लेखा अधिकारी-।। की लेखा अधिकारी-।।। के पद पर पदोन्नति होने पर 22-8-1981 से 24-11-1981 तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-।। नियुक्त करते हैं।

एम. एस. राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

मं. 3/2/81-सि.इ.प्र. (एच.)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी श्री ए. एस. आर. नायर को सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक जून 30, 1977 के पूर्वाह्न से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर
प्रशासन अधिकारी-।।
कृत मुख्य इंजीनियर

पर्यटन एवं नागर विभाग संचालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. स्था. (1)00674—डा. ए. एस. रामनाथन, मौसम विज्ञान के उपमहानिवेशक (जलमौसम विज्ञान), मौसम विज्ञान के महानिवेशक के नई दिल्ली मुख्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में दिनांक 1-10-1981 पूर्वाह्न को स्वीच्छक रूप से सेवा निवृत्त हुए।

के. मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृत मौसम विज्ञान के महानिवेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. प-31013(4)/1/78-स्था.-।—गण्डपदि, श्री ए. एस. वर्मा को भारत मौसम विज्ञान विभाग में 1-3-1978 से हिन्दी अधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इस समय श्री वर्मा डाक तार निवेशालय में वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति पर है।

एम. के. दास
मौसम विज्ञान के अपर महानिवेशक

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1981

सं. ए-19011/38/80-इ०. -।—राष्ट्रपति ने महानिवेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री बी. एस. राव, उपनिवेशक (उड़ान कार्मिक दल भाग) को दिनांक 30-9-81 (अपराह्न) से मूल नियम 56 (को) के अन्तर्गत से सेवानिवृत्त कर दिया है।

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1981

सं. ए-32013/3/76-इ०. ए.—राष्ट्रपति ने श्री ए. के. नागर विमानन विभाग के श्री ए. के. सिन्हा को दिनांक 27-2-77 से और अन्य आदेश होने तक विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में संदर्भात्तिक पदांतिति प्रदान की है।

दिनांक 22 अक्टूबर 1981

सं. ए-38013/1/81-इ०. ए.—क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय के श्री स्वतन्त्र लाल, विभाग क्षेत्र अधिकारी ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी संवाद में निवृत्त होने पर दिनांक 30-9-1981 में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/80-इ०. ए.—महानिवेशक नागर विमानन दे निम्नलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि वा लिए अधिक पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियूक्त किया है। इन्हें दिल्ली प्रयारोट, दिल्ली में तैनात किया गया है।

क्रम सं. नाम सारोक

1. श्री के. एन. महेश्वरी—20-8-81
2. श्री बलवन्त राय—20-8-81

संधाकरण प्रसाद
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. ए. 38015/12/81-इ०. भी.—महानिवेशक नागर विमानन ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकात्म, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री प्रेम कमार, भवायक लक्जनीकी अधिकारी को केन्द्रीय सिविल संवाद (पेशन) नियमावली, 1972 के नियम 48(ए) के अन्तर्गत निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30-9-81 (अपराह्न) में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/2/79-इ०. डब्ल्यू.—राष्ट्रपति ने श्री एन. गोपाल, सहायक निदेशक (उपस्थित), (तदर्थ आधार पूर

स्थानापन्न उप निदेशक उपस्थित) को दिनांक 28 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक रु. 1500-60-1800 के बेतनमान में उप निदेशक उपस्थित के ग्रेड में नियमित आधार पर नियूक्त किया है।

2. श्री एन. गोपाल को महानिवेशक नागर विमानन मूल्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/2/81-इ०. डब्ल्यू.—राष्ट्रपति ने श्री एन. सी. गुप्ता, विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी को नागर विमानन विभाग में दिनांक 26-9-1981 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए अधिवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, रु. 1100-50-1600 के बेतनमान में सहायक निदेशक, उपस्थित के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियूक्त किया है।

2. श्री एन. सी. गुप्ता को क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया गया है।

इ०. एन. ट्रैसलर
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/1/79-इ०. एस.—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर राष्ट्रपति ने श्री धनश्याम दास को नागर विमानन विभाग में दिनांक 12-10-1981 में और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमान मूल्यालय अधिकारी (इंजी.) के पद पर नियूक्त किया है और उन्हें महानिवेशक नागर विमानन, रामकृष्णपूरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/8/77-इ०. एम.—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर राष्ट्रपति ने श्री धनश्याम दास को नागर विमानन विभाग में दिनांक 29 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमान मूल्यालय अधिकारी (इंजी.) के पद पर नियूक्त किया है और उन्हें महानिवेशक नागर विमानन, रामकृष्णपूरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं. ए. 38015/2/80-इ०. एस.—नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एन. एस. बक्सी भण्डार अधिकारी (ममूल 'ब' पद) ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी संवाद भी निवृत्त होने पर दिनांक 30 सितम्बर, 1981 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए. 32014/3/81-इ०. एम.—महानिवेशक नागर विमानन ने श्री आर. जी. शिन्द्रे, अधीक्षक की प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियूक्ति को दिनांक 31-3-1982 तक अधिवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों सामान्य शर्तों पर आरी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

जगदीश अन्न गर्ग
सहायक निदेशक नागर प्रशासन

उर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग
कोयला सान श्रमिक कल्याण संस्था
धनबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

म पी 8(25)67—कोयला सान श्रमिक कल्याण नियम, 1949 के उप-नियम 1 (अ) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग कर कोयला सान श्रमिक कल्याण नियम सलाहकार समिति एवं द्वारा सर्वश्री ओ महोपति, सलाहकार (पी एण्ड आर्ड आर), कोल इडिया लिमिटेड, कलकत्ता तथा वी मनोहर, निदेशक (पी) वो सी एल, धनबाद को श्री एस राय, मुख्य नेता नियन्त्रक, है सी एल, डिजरगढ़ (जो पद त्याग कर दिए) तथा श्री एस के चौधरी, महाप्रब्रह्मक (पी) वी सी एल, धनबाद के स्थान पर वित्तीय उप-समिति का

सदस्य नियुक्त करती है, जिसका गठन अधिसूचना संख्या-पी 8 (25)67 विनांक 23-12-1975 एवं दिनांक 14-4-1981 की अधिसूचना में किए गए उत्तरवर्ती संशोधन में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है—

“क्रम संख्या 2 तथा 3-श्री एस राय, मुख्य लेला नियन्त्रक, पूर्वीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड, डिजरगढ़ तथा श्री एस के चौधरी (पी) वी सी एल, धनबाद, के स्थान पर क्रम संख्या 2 तथा 3 श्री ओ महोपति सलाहकार (पी एण्ड आर्ड आर) कोल इडिया लिमिटेड, कलकत्ता तथा श्री वी मनोहर, निदेशक (पी) वी सी एल, धनबाद” प्रतिस्थापित किया जाए।

वामोंदर पण्डी
कोयला सान कल्याण आयोक्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

सं ५-19012/963/81-स्था० पाच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को रु ६५०-३०-७४०-३५८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख में छ महीने की अवधि अथवा पदों को नियमित आधार पर भर जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	अतिरिक्त सहायक नियमित आधार पर भर जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं
सर्वश्री		
1 एस० पी० गर्ग, अभिकल्प सहायक	10-7-81 (पूर्वाह्न)	पी० एण्ड पी० निदेशालय
2 एम० आर० सरकार, पर्यवेक्षक	9-9-81 (पूर्वाह्न)	एच० सी० डी०-II, निदेशालय
3 एस० के० मुखर्जी, पर्यवेक्षक	21-9-81 (पूर्वाह्न)	ई० आर० डी०-I, निदेशालय

दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं ५-19012 933/81-स्थापना-पाच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री के एन राय, पर्यवेक्षक का रु ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द रु ३५-८८०-४०-१०००-द रु ४०-१२०० के वेतनमान में २९ सितम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से ६ महीने की अवधि अथवा पदों को नियमित आधार पर भर जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं ५-19012/953/81-स्थापना पाच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस बी बै, पर्यवेक्षक का रु ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द रु ३५-८८०-४०-१००० द रु ४०-१२०० के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में १२ अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से ६ महीने की अवधि अथवा पद को नियमित आधार पर भर जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं ५-19012/960/80-स्थापना-पाच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री धनन्य वस्ता, पर्यवेक्षक का रु ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द रु ३५-८८०-४०-१०००-द रु ४०-१२०० के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में १ अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से ६ महीने की अवधि अथवा पद को नियमित आधार पर भर जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर, 1981

सं ५-19012/897/81-स्था. पाच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री ए. के चक्रवर्ती, पर्यवेक्षक का रु ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द रु ३५-८८०-४०-१०००-द रु ४०-१२०० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में १७-३-८१ के पूर्वाह्न से ६ माह की

अवधि के लिये या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/962/81-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एम. एम. सेन शर्मा, पर्यवेक्षक करे रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -25-880-40-1000-द. रो. -40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर (इजीनियरों) के ग्रेड में 26 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/979/81-स्थापना-पांच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री पी. पी. अब्दुर्रहीमन, पर्यवेक्षक करे रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में 16 अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

अनुसधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-226011, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

म. ए/इ० पी/1648--श्री आई. मी कवकड़, भूपूर्व अनु-भाग अधिकारी (स्थापना-4), जिनका धारणाधिकार (लियन) अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) लखनऊ के आशुलिपिक ग्रेड-II के पद पर था, का रथागपत्र 1-9-1981 पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

ले. फ्रा. जे. फ्रेट्स
महानिदेशक

विधि, न्याय तथा कंपनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड^१

कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोनमूँडी ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. 4915/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पोनमूँडी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

ह. अपठनीय
कम्पनीयों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडू

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गणा फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1973

सं. 831/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर गंगा फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनीयों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडू

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नोबल शीट मेटल अन्ड फैर्म्ब्रेक्टरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 नवम्बर 1981

म. 17416/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नोबल शीट मेटल एण्ड फैर्म्ब्रेक्टरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनीयों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

प्ररूप वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

कार्यालय-16, दिनांक 16 अक्टूबर 1981

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

निवेश सं. एन. सी. 540/81-82—यतः मुझे, टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह प्रिश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अन्सूचि के अनुसार है, जो तिरुवाङ्कुलम में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्सूचि में और पार्श्व रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निधूणित्तरा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-2-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री नंदाकुमार और शोभना

(अन्तरक)

(2) श्री दी. डी. जायसुक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकों के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभाव
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
स्विभाव के लिए;

मुद्रूची

2-48446 acres of land in Sy. No. 316/1 317 & 315/3 of
Thuruvakulam vill. as per schedule attached to doc.
No. 651/81.

टी. जेड. माणि
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-10-81

मोहर :

प्रस्तुत बाईं. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पी. शिवशंकरन

(अन्तरक)

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. टी. जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजॉ, एरणाकुलम, कोर्ट्चन-16

कोर्ट्चन-16, दिनांक 16 अक्टूबर 1981

निवेद सं. एल. सी. 541/81-82—पत्र: मभौ, टी.
जेड. माणि,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो तिरुवांकुलम में
स्थित है और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय त्रिचुरात्तुरा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-2-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पहलू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया
जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिह में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या(ख) एसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रासितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रविष्ट बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाहित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

मूल्यांकन

1.29875 acres of land with building in Sy. No. 3174316/142
of Thuruvakulam village as per schedule attached to doc No.
652/81.टी. जेड. माणि
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
• अर्जन रजॉ, एरणाकुलमतारीख : 16-10-81
मोहरअतः जब, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. 1183/एकवी/23-11/81-82--
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं. नोंबर नं. 1335, वार्ड नं. 5, हरिपुरा है।
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्या-
लय, सूरत में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छह से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
ग्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः इन उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्

(1) श्री नुरबाणु धरमशी भाई, जधारली धरमशी भाई,
सुलनानेली धरमशी भाई, रामसानली धरमशी, अनवर
धरमशी भाई, सलीम धरमशी भाई, बी-11 करीमा-
बाद मोसाहटी गोद-दाद रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्तीबेन उर्फ वसन्ताबेन गमन लाल
बिपिनचंद्र गमनलाल मोदी, नारेशचंद्र गमनलाल
मोदी, सतीशचंद्र गमनलाल मोदी, पंकजकुमार
गमनलाल मोदी, हरिपुरा, बेन रोड, जै टैम्पल
के पास, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बायावर 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंबर नं. 1335, वार्ड नं. 5, कालजग
माहोल, सूरत में स्थित है। जो यथाविधि फरवरी, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 26-9-1981
गोदूर :

प्रूष प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त 1981

निवेद्य सं. 11338—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वामी उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 17/370, 371, 372 है, जो आपनकार
स्ट्रीट कोम्पनीटर में स्थित है (और इससे उपावद्ध से और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोम्पनीटर (डाकूमेंट सं. 577/81) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधीनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी नहीं था उससे बचने व सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें नामी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, 1957
ग्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया
था या किसी जग्या चाहे था 'छाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

3 —336GI/81

(1) श्री कन्नयन और राजा

(अन्तरक)

(2) श्री वालसा साखो और मरियम्मा जोस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन द्वा-
रा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्तान्त्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्पर्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ है, जो उस प्रधानाय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-17/370, 371, 372 ओपनकार स्ट्रीट
कोम्पनीटर (डाकूमेंट सं. 577/81)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 28-8-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रामदास जी कामत, (2) श्रीमती कमला आर
कामत मार्गेवा गोवा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) समाधान कोआपरेटिव हॉसिंग सोसैटी लिमिटेड
मार्गेवा गोवा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
उर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

गिरोह सं. 355/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन.
ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन रायकर प्राधिकारी वो यह विष्यास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. खला नंबर 162 है, जो आकेम रोड, मार्गेवा
में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के बाकालग, मार्गेवा, गोदा
अंडर डाक्युमेंट नंबर 43/81 दिनांक 25-2-1981को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विष्यास
करने का कारण है कि यथापवाँक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्णकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-
के लिए; और/या(ख) ऐसी दिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त राष्ट्रिय के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के 20-क में परिभ्रषिक हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मार्गेवा में स्थित खुला जगह (750 स्क्वार फीट) जिसका
नाम है "माल्बात" और जिसका चलता नंबर है 162।डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 15-9-1981

मोहर :

प्रकृष्ट पाई ० डी० एन० एस०---

(1) समाधान कोआपरेटिव होर्सिंग सोसाइटी लिमिटेड,
मार्गोंवा।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269ष(1) के अधीन सूचना

(1) श्री रामदास जि. कामत, (2) श्रीमती कमला आर.
कामत माल्वन, मार्गोंवा, गोवा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 356/81-82—यतः मुझे, जा. वि. एन.
ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिसकी सं. बिल्डिंग नं. 1 और तीन समाधान बिल्डिंग,
मार्गोंवा है, जो आकेम रोड, मार्गोंवा में स्थित है (और इससे
उपादान अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मार्गोंवा, गोवा अंडर डाक्युमेंट नंबर
43/81 दिनांक 25-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अव्याख्या लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की आवत, उक्त अधि-
नियम, के क्षमीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

ध्यानीकरण :—इसे प्रभुत शब्दों प्रा. पदों का, जो उन
अधिनियम के अध्याय 20 के
परिभासित है, वही अर्थ दोगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

बासूची

आकेम रोड, मार्गोंवा में स्थित "समाधान बिल्डिंग" में
ग्राउंड फ्लोर में स्थित तीन द्वारा (बिल्डिंग नंबर 1) और एक
फ्लट जो बिल्डिंग नंबर तीन में फस्ट फ्लोर पर स्थित है।

जा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बैंगलोर

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-ष की उपचारा (1) के
सम्मीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-9-1981
मोहर []

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निदेश सं. 357/81-82—यतः मृझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जो इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि व्यावर समाति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. मोट्रिज नंबर 808 चला नंबर 182 है, जो पणजी, गोवा में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलहाबाद, गोवा अंडर डाक्युमेंट नंबर 73/81, दिनांक 16-2-1981

को पूर्योक्त संपत्ति दे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त संपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
धौर/या

(ख) ऐसी फिसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षतःः—

(1) श्री अंदोनियो जोस एरेरो बारोस बालडारस सिंडिकेट बैंक के पास मार्गोवा, गोवा।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लूसी किलोमिना में लोबो गोम्स पणजी, गोवा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्योक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

उपलिङ्गः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्ती

गोवा पणजी में स्थित 700 स्क्वेयर मीटर जगह और उस पर स्थित बिल्डिंग जिसका नाम है "कासा डे भोराडा कोम से क्युटल अं होटी" और जिसका मोट्रिज नंबर है 808 और चक्रता नंबर 182।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, बैंगलोर

तारीख : 15-9-1981
मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बोगलोर

बोगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 358/81-82—यतः म्र्खे, डा. वि. एन.
लिलितकमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 'डी-3' है, तथा जो ला कंपाला
रेसिडेंशियल कालोनी, पणजि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, इल्हास, गोवा (अंडर डाक्यूमेंट नंबर 97/81) में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
के अधीन, दिनांक 24-2-1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घारेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती हंसलता हिरलाल रायताता, पणजि।
(अन्तरक)
(2) श्री कृष्णकांत नरसिंह बोर्नेंकर उर्फ श्री कृष्णकांत
नरसिंह पोर्ये बोर्नेंकर, असोलना, मार्गोवा, गोवा।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोक्तरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

पणजि, "ला कंपाला रेसिडेंशियल कालोनी" में स्थित हमारत
(जगह सहित) जिसका नंबर है ज्लोट नंबर डी-3।

आ. वि. एन. लिलितकमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बोगलोर

तारीख : 15-9-1981
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रेनुबाला दास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अम्बर प्रोपरटीज (प्रा.) लि.।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जूलाई 1981

निदेश सं. 931/एसीक्यू. आर-3/81-82—यतः, मुझे,
आई० टी० एस० जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 25 है, तथा जो वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) का अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित
में भास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
बोर्ड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

को यह सूचना आर्द्धे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

25, वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता (1/6 धां भाग) दलिल सं.
10891

आई० टी० एस० जूनेजा
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीजहमद किंदवाई रोड,
अर्जन रेज-111 कलकत्ता-16

तारीख : 22-7-1981
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रृष्ठ पाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

उत्तर संसद

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अगस्त 1981

निर्देश म ए, सी 40/रेज-4/कल/1981-82—
पत् मझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसने सी 1525 है तथा जो मौजा और थाना बहरमपुर
में स्थित है (और इससे उपावदाम अन्सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूर्शिदाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-2-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिक
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकारी के अधिकारी के अधिकारी के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है इक्सी आव दी वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के वायित्व
में कमी कहने या उससे बचने में सूचिता के लिए;
जिति/या

(ब) ऐसी इक्सी आव दी वादत, उक्त
अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना भावहेए था छिपाने में
सूचिता के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्रीमती सरसी वाला राय।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मान्ती राय।

(अन्तरिती)

(3) डा अधिर कमार सरकार।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अस्तरित द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

1981 का दस्तावेज सं पी-1525 के अन्सार मौजा-बहरम-
पुर, थाना-बहरमपुर, जिला-मूर्शिदाबाद में मकान समेत 09
डेसी जमीन स्थित है।

के सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
अर्जन रेज-4, कलकत्ता

तारीख 6-8-1981
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) सन्तोष कुमार मल्लिक एण्ड आदर्श।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महमद सौकत अली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

फलकता, विनाक 1981

कलकत्ता, दिनांक 1981

निर्देश स. ए. सी /रेज-4/कल/1981-82--मत: मुझे,
आई. वी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 56 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाल्डूथ अन्सूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-2-1981
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसची

56 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 16 कट्टा,
14 छटाक, 30 दर्ग फिट जमीन पर एकतलमी-मकान का 1/2
हिस्सा जो आई-883 डीड नं. अनुसार 10-2-1981 तारीख
में रजिस्ट्रार ओफ एन्सुरेन्स के द्वारा रजिस्ट्री हुआ।

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितंबर 1981

निवेद्य सं. ए. सी. 52/रोज़- /कल/1981-82--
तः, मुझे, के. सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. है तथा जो थाना-कसबा, जिला-24-
ग्रामण में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
प्रिलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981हो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
हल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उत्तित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;1. दि सर्वबन एग्रिकल्चर डायरी एण्ड फिल्म्स (प्र.)
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. ट्रस्ट फिल्म डिवलेपमेंट एण्ड रिसर्च सेंटर बोर्ड ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आकौप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिलित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अमील---4=10 सतक, मौजा---जाक गढ़िया, थाना-कसबा,
जिला---24 परगणा पर स्थित ।
दस्तावेज नं. 1981 का 1393 ।के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-4, कलकत्ता,
54, रफीबहुमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता-16अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
4-336GI/81

तारीख : 30-9-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश सं. ए. सी. 53/रेंज-4/कल/1981-82--यतः
मूझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. है लाभ जो धाना-कसबा, जिला 24-
परगणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है ।--

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा
के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूविधा के सिए;

1. वि सर्वन एग्रिकलचर डायरी एण्ड फिशरिस (प्रा.)
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. ट्रस्ट फिशरी डिवेलपमेंट एण्ड रिसर्च सेंटर बोर्ड ।
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मृगसूची

जमीन 4.13 सत्रक, पता-मौजा-घाक गढ़िया, धाना-कसबा,
जिला--24-परगणा, दस्तावेज नं. 1981 का 1394 ।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता
54, रफीगहमद किशवाइ रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 30-9-1981

माहेर :

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थतः:-

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निवैशं सं. ए. सी 53/रेंज-4/कल/1981-82--उत्तर,
मुझे, को. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। है तथा जो थाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाबृथ अन्सूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उम्मदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

1. दि सबर्बन एंगेरिकलबर डायरी एण्ड फिलिंस (प्रा.)
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. महातिरथम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉर्न भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर व्हेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे व्यवहन में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन्सूची

उमीन 4-14 सतक, पता-मौजा-चाकु गाँड़िया, थाना-कसबा,
जिला 24-परगना। दस्तावेज नं. नं. 1981 का 1395।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता,

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :--

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेखा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निवेद्य सं. ए. सी. 54/रेखा-4/कल/1981-82—यतः,
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो धाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या दृश्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या फिया जाना आहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवतः :—

1. दि सर्वर्वन एंगिरिकलचर डायरी एण्ड फिलिंस (प्र.)
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. महासिरधम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निप
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन 4.14 संकाक। पता—मौजा-चाक गाँड़िया, धाना-कसबा,
जिला 24-परगना। उस्तावेज नं. 1981 का 1396।

के. सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
अर्जन रेखा-4, कलकत्ता

तारीख : 30-9-1981

गोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निम्नों पं. ए. सी. 55/रेज़-4/कल/1981-82—यह:
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं.
है तथा जो थाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाड़/था

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

जम्हन 4.25 सतक, पटा-मौजा चाक गड्ढिया, थाना-कसबा,
जिला 24-परगना। दस्तावेज नं. 1981 का 1397।

के. सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीबहमब किलबाई रोड,
अर्जन रेज़-4, कलकत्ता

यह: अब, उक्त अधिनियम की भारत 269-ग के अनुसरण
में, भूत अधिनियम की भारत 269-ग की उपलाए (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त:—

तारीख : 30-9-1981
माहेर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

1. दि सर्वोन्न एग्रिकल्चर डायरी एण्ड फिलिंस (प्रा.)
लिमिटेड।

(2) मुख्यी कन्स्ट्रक्शन प्रा. लि.।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायाखिय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिवानक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 56/रेंज-4/कल/1981-82—यह
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं
है तथा जो थाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अन्तिमपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल मिन्मलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करसक है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी वाक्योपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
यही वर्त्त होता है उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की ओर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उक्त से बदलने में सूचिता के लिए;
ब्राह्मण

अनुसूची

जमीन 4.26 सतक परता-मौजा-चाक गढ़िया, थाना-कसबा,
जिला-24 परगना। वस्तावेज नं. 1981 का 1398।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या वस्तु वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोग्यनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
एवं या किसी अन्य अधिनियम के अन्तरिती
के लिए;

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता,
54, रफीउहमद किल्ड्यार्ड रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारित:—

तारीख : 30-9-1981

सील :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-4, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश सं. ए. सी. 57/रोज़-4/कल/1981-82—यतः,
मुझे, कै. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है।

आई जिसकी सं. है तथा जो उत्तर बक्सरा, हवड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबूध अनुमूली में, और, पूर्णरूप से
रिंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कार्यात नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन रु. ३८ ने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीरु/गा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिन को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रवर्त नहीं जिता गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री दिलीप, प्रदीप, सन्दीप मुख्यार्जी, कमारी कम-
कुम, बूलु मुख्यार्जी, काजल उक्तवती।

(अन्तरक)

2. श्री मुरारी मोहन पाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्यार्थी

उमीन 12क. 3छ 40 वर्ग. फुट—मकान समेत, उत्तर
बक्सरा, संतारांयाडी, जिला-हवड़ा। दस्तावेज नं. 1981 का
985।

कै. सिन्हा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-4, कलकत्ता,
54, रफीअहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 30-9-1981

मोहूर :

प्रस्तुप् आई.टी.एम.एस. -----

1. श्री कालीपद चक्रवर्ती^१।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मे. चन्द्रस कोमिकल (प्रा.) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रैज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदर्शन सं. ए. सी. 58/रैज-4/कल/1981-82—यतः,
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं... है तथा जो बनहुगली, थाना-बरा-
नगर में स्थित है (और इससे उपावदाख अनुसूची में और, पूर्ण-
रूप से वर्णित है), राजस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपूर
(इमदाम) में, राजस्ट्रिकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-2-1981

के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौं
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है किसी आय जी नावा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

के यह सूचना पारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मृत्तृष्णी

मृत्तृष्णी-28 क. 8 छटाक, पत्ता माजा बनहुगली, थाना-बरा-
नगर, जिला परगना-24। दस्तावेज नं. 1981 का 950।

के. सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रैज, कलकत्ता
54, रफाइम्हमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16।

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मुनील कुमार दास।

(अन्तररक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री नन्द दलाल पाल और तीन आदमी।

(अन्तरिरती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता
कलकत्ता; दिनांक 16 अक्टूबर 1981

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बद्धी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

19/1बी श्यामानन्द राणे कलकत्ता में अब स्थिति, 2 कठा 12 छटाक, (लगभग) जमिन जो 20-2-81 तारीख में सब रजिस्ट्रार अग्रिम 24-परगना दफ्तर में डिफ नं. 815 अनुसार रजिस्ट्र हुआ है।

आई. वी. एस. जूनेजा

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1।

54, रफीअहमद किवार्ह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 16-10-81

माहूर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

3—356GT/81

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अक्टूबर 1981

निर्देश, म. 955/एक्वी. आर-111/81-82—यतः,
मुझे, आई. टी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पी. 15, 16, 17 है तथा जो गरीयादाद रोड
(साउथ) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और, पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23-2-1981

को-पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृद्द इसी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान--

1. दि मनजुसा कोऑपरेटिंग हाउसिंग सोसाइटी लि।।
(अन्तरक)

2. डा. अरुण कुमार शील।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पील से 30 दिन की अवधि जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पी-15, 16, और 17, गरीयादाद रोड (साउथ), कलकत्ता,
प्लाट 5, तल्लापर दलिल म. 1302।

आई. टी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-111
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीखः 17-10-1981
माहूरः

प्रस्तुप आई.टी.एम.एस.-----

1. अरुण कुमार दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मोतीलाल टांडे और दूसरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 17 अक्टूबर 1981,

निवेश स. 956/एक्ची. आर-111/81-82/ल—यत.
मुझे, आई.वी.एस. जूनजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. 8 है तथा जो लाला लाजपत मरनी, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची म. और, पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता म., रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपोत्त द्वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की छानत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मूल्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

8, लाला लाजपत सरनी, कलकत्ता । 17-के-9 सीएच-35
स्केयर फोटो जमीन पर मकान। दर्दिल म 1512।

आई.वी.एस. जूनजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-111

54, रफीअहमद किलावाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख . 17-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

1. श्री मुहम्मद, रफिक, (15 आवासी)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री महावीर प्रभाद, अगरदाला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

*अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निर्देश सं. एस-591/टी.आर. 583/80-81/कल—यतः
आई वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 2 और 2/1ए है तथा हाईड लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मध्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभ्रामित है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

2 नं. हाईडलेन कलकत्ता में अब स्थित, और 2/1ए, हाईड लेन में अवस्थित, 6 कट्टा 4 छटाक, 12 वर्ग फिट, जमीन पर चार तल्ला मकान सी 26-2-81 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्युरेन्स कलकत्ता का अफ्तर में डीड नं. 1435 अनुसार रजिस्ट्र हआ।

आई. वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
54, रुक्मिनी अहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

अह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 17-10-1981

माहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश स 3 नि स आ आ /एक्वीजीशन 2/एस आर-
1/2-81/7468--चूंकि मैं विम्ल विश्वास्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संपादन 17, है एवं जो सधारा कालन में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में
दिया गया है, का प्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
वा) के अधीन प्रीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्रक (अन्तरक्त्र) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, 'निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है':-

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, आयात हैं।—

- 1 श्री जयराम शर्मा और दूसरे 39/9, शक्ति नगर,
दिल्ली।
(अन्तरक)
- 2 श्री शशि गुप्ता श्री वेंक प्रकाश गुप्ता, 3907
गली बरना सदर बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परे
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

संपादन 17, ब्लाक हाई स्प्रोरा कालन दिल्ली।

तारीख 19-10-1981
माहर

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निवेदित सं. 3 पि. स. आ.आ./एक्चीजीशन 2/एस.आर-
1/2-18/7404—चूकि में, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 38, ब्लॉक एफ है एवं जो कमला नगर, मे-
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
फरवरी, 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के
वार्षिक से कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः :--

1. ओम वती गुप्ता पत्नी रमेश चंद्र गुप्ता, नं. 14-एफ,
कमला नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मरीन्दर कौर छाबा पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह छाबा,
8/5, सिंह सभा रोड, नई दिल्ली।

(अतरीत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वार बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, जो अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 3, 'एच' ब्लाक कमला नगर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, नई दिल्ली

तारीख 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——

1 श्री जगत किंशारी पत्नी श्री कृष्ण लाल एन-89,
कितीं नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री आर. एस. अग्रवाल, 24/15, शक्ति नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

बर्जन राज, “एच” ड्लाक, विकास भवन, हन्दप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नह्य दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निवैशं सं. 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन 2/एस.आर-
 1/2-81/7408—चूंकि मैं, विभल विश्वास,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

आरे तो यह कहा है कि जिसकी सम्पत्ति शांप नं 3, है एवं जो शक्ति नगर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के बिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तररक (अन्तर्रकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्मति के अर्जन के लिए कार्यदारीहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-निवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसूचित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीन को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्राची

शोप नं. 3, शक्ति नगर, दिल्ली।

विभाल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, नहरै दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4185—चूकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उल्लिखी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹3,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स. कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-नवादा, में स्थित
है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सन्दर्भ अन्मूली में दिया
गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में,
विभांग फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कंटीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथ्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके रथ्यमान प्रतिफल से ऐसे
प्रदूषित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री ओम सरल सुपुत्र चन्द्रगी और दूसरे, ग्राम-
नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरी लाल बत्रा सुपुत्र स्वर्गीय श्री जी. एम.
बत्रा, निवासी इ/इ/5-ए-21, जनकपुरी, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बत्ते भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधुद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नवादा, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) सुशिल आर. साहनी सुपत्र आर. एम. राहनी,
7/9, रूप नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली।
(अन्तरक)(2) श्री देविन्दर कमार सुपत्र डी. अग्रवाल, सी-
2/32, मोडल टाउन, विल्ली।
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002, विनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4219—चूंकि मैं विभल विशेषज्ञ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-इवाहिमपर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में विनांक फरवरी, 1981 के इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कल्नीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कृतित नहीं किया गया है:—

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राचीन का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रमित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इवाहिमपर, दिल्ली।

विभल विशेषज्ञ
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—336GI/81

विनांक : 19-10-1981

सील :

प्रस्तुप् आइ०. टी०. एन०. एस०.-----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायलिय सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टैट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ० आ०/एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/
2-81/7464—चूंकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 25, है एवं जो रामेश्वर नगर,
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्तस्त्री
में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रदृष्ट प्रतिफल
(उपारेट कन्सीडरेशन) पर हस्ताल्तिरित कर दी गई है जो
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रीति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे अधीन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

मकान नं. 25, रामेश्वर नगर, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अमृता, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-10-1981

माहूर :

प्रस्तुत याइ. डी.एन.एस.-----

(1) श्री कमल आर. साहनी सूप्रब्र आर. एम. साहनी,
7/9, रूप नगर, विल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री नरीन्द्र कुमार सूप्रब्र श्री डी. डी. अग्रवाल,
सी-2/32, मोहल टाउन, विल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ल्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एटेटे,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एकीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4220—चूकि में, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या कूपि भूमि है, एवं जो ग्राम-इवाहिमपुर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के द्विली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कंसीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से है इसकी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दार्यात्मक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

कूपि भूमि, ग्राम-इवाहिमपुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

दिनांक : 19-10-1981
मंहर :

प्रह्लद भाई.टी.एन.एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ आ /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4218—चूकि मेरे, विमल विशेष,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सख्ती कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-इवाहिमपुर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के द्वारा प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इवाहिमपुर, दिल्ली।

विमल विशेष
भक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

जल्द: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारेण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री आर आर साहनी पल्ली आर एम साहनी,
7/9, मोहल टाउन, दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री राजिन्द्र कमार सूप्त्र डी डी अग्रवाल,
एच-2/5, मोहल टाउन, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीहै भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दिनांक 19-10-1981

मोहर .

अंशुष्ठान, डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्युजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4217—चूकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मात्रा कृपी भूमि है, एवं जो ग्राम-इकाइमप्र,
दिल्ली में रिक्त है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के द्वारा प्रकट प्रति-
फल (आपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
प्रयुक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयुक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इकाइमप्र, विल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-2, नई विल्ली

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अमुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर. आर. साहनी पत्नी श्री आर. एम. साहनी,
7/9, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर कुमार सुपत्र श्री डी. डी. अग्रवाल,
एच-2/5, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिल
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयुक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दिनांक : 19-10-1981

मांहर :

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

(1) श्री दलीप सिंह सुप्रब्र श्री खप राम और दसरे,
निवासी असालतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमरीता जैन पत्नी श्याम लाल, ए-2/98,
जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, हन्दप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्टीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4234—चूकि मैं, विमल विशेष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संभ्या क्रीषि भूमि है, एवं जो ग्राम-असालतपुर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब यादा यादा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ की आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

क्रीषि भूमि, ग्राम-असालतपुर सावर, दिल्ली।

विमल विशेष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आमंत्रकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-10-1981

माहूर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एकीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/7394—चूंकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 201 है, एवं जो गोलहरी बाग,,
प्रेम नगर, विल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के विल्ली स्थित कार्यालय में विनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हृहृ किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

जहाँ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रोशन लाल, अशोक कमार और कृष्णा कमार
सप्तप्र प्रह्लाद मल, निवासी 7/29, रूप नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चमली देवी पत्नी राम कमार, 7308, प्रेम
नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहृयां करता है।

उक्त संपत्ति दे रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधोध
शाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू-
बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तादारी के
पास लाखन मिल कर जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 201, गीलहरी बाग, प्रेम नगर, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्रह (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" इलाक, विकास भवन, इन्हप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एम-आर-2/
2-81/4228—यतः मझे, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नवादा, दिल्ली में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में विनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथोपर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिक्षेप अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिकी
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री ओम सरूप सुपुत्र चन्द्रगी और दूसरे ग्राम-
नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह पत्नी हरविन्दर सिंह और दूसरे
3-ए, 1434, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकृती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तिकरण:—इसमें प्रदर्शित वायित्वों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
दही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्राम-नवादा

कृषि भूमि ग्राम---नवादा, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 19-10-1981

मांहूर :

प्रसूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्री तिलक राज सुप्रत्यक्ष कृष्ण लाल एन/89, कीरीनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर. एस. अग्रवाल. सुप्रत्यक्ष आर. डी. अग्रवाल 24/शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 3 नि.स.आ.आ /एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/2-81/7409—यत. मुझे, विमल विश्वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मूल्या सोप नं. 3, है एवं जो शक्ति नगर, दिल्ली स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का इन्हीं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर वने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

सोप नं. 3 शक्ति नगर, दिल्ली ।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

संहर :

अतः लग, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती सोता देवी पत्नी स्वर्गीय श्री हंस राज
अग्रवाल डी-1, सी. सी. कालोनी दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता सूप्रत्र राम गोपाल गुप्ता
एच 2/3, मोडल टाउन, दिल्ली ।
(अन्तरित)

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नहर दिल्ली-110002

नहर दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन 2/एस-आर-1/
2-81/7373—यत. भूमि, विमल विश्वास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर संभिल जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹. से अधिक है

जिसकी संख्या ज्ञात नं. 15, है एवं जो नेताजी रोड, आदर्श नगर
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

मृत्युजी

प्लाट नं. 15, नेताजी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली ।

विमल विश्वास
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 2, नहर दिल्ली

उत्तर: यह, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रश्न आरौटी एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) मैं, गल्स गुड्स कोरियर प्रा. लि. 30 और बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला बंदी पत्नी द्वारका प्रसाद 864
कटरा हिन्दू फरास खाना विली।

(अन्तरिती)

उत्तर सुझाव**कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विमल भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 3 नि. स. आ. आ./एकीजीन 2/एम-आर-1/
2-81/7452—यत मृक्ष, विमल विशेष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेशास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी मंस्था शोप नं. 3, है एवं जो मूलिकीपत्र नं. 622,
625, (न्य.) जी. बी. रोड,
में स्थित है, (जिसका प्राधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची
में दिया गया है) के पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के विली स्थित
कार्यालय में दिनांक फण्वरी, 1981

को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तारित की गई है और मुझे यह विवेशास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरे किसी जाय की बीबत, उक्त
अधिनियम के वर्णन कर देने के बाहरक के विवित
में किसी कर्त्ता या उससे बदलने में सुविधा के लिए;

अमृसूची

(ख) एसे किसी जाय या किसी धरा या अस्त्र आदि सर्वां
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में
सुविधा के लिए।

विमल विशेष
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अधार्तः:—

दिनांक : 19-10-1981
माहेन :

प्रस्तुप् आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
न्है दिल्ली-110002

नहै विल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एकीजीशन 1/2-81/
7465--यतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संस्था प्लाट नं. 32 है एवं जो हरफूल सिंह सदर थाना
रोड, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में विद्या गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अपीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक परवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(द) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सादी लाल पंडित सुपूत्र स्वर्गीय श्री हर प्रसार
5565-66/3, एस/मंडी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन देवी गुप्ता पत्नी घासी राम,
5663/20, बस्ती हरफूल सिंह एस/मंडी,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं. 32, हरफूल सिंह सदर थाना रोड, विल्ली ।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नहै दिल्ली

चिनांक : 19-10-1981

माहूर :

प्रूष भाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वंदी दयालः, निवासी 2074, चाह इन्दरा, कोडिया पुल दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मिस आशा कुमारी अग्रवाल सूपत्री सुखबीर सरण अग्रवाल 2003, कर्ता लक्ष्मि सिंह फौटेन दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टैट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्युजीषन 2/एस-आर-1/
2-81/7434---यतः मुझे, विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

जिसकी संख्या 2074 है एवं जो चाह इन्दरा कोडिया पुल,
इलाका-4, मैं स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
मंलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वजे के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्खत् ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2074 चाह इन्दरा, कोडिया पुल, इलाका नं. 4,
दिल्ली ।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/
2-81/7365---यतः मुझे, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

जिसकी संख्या 5489 से 5491 है एवं जो बस्ती हरफूल सिंह
सदर थाना रोड, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
विल्ली स्थित कार्यालय में विनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
काल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सादा राम सुपुत्र श्री मुलर सिंह ग्राम-ओर पो.
हरसना कलां तेहाइल, जिला सोनिपत।
(अन्तरक)
(2) श्री वर्षन सिंह सुपुत्र नाथा सिंह, 5491 बस्ती
हरफूल सिंह दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यधारियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तु—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिअस्ताक्षरी के
पास लाइसेंस में दिए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

विमल विशिष्ट

प्राधिकारी
सहायक आयकर आयदाता (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयदाता (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की वारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4235—यतः मर्भे, विमल विशेष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ष
के अधीन उसमें प्राविकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थानीय नियम विवाद उक्त वाकार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम टिकारी कालन दिल्ली
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुमूल्य
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और पुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से निर्दिष्ट नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन वर देने के अन्तरक के
विविध में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी घन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवधितयों, अर्थात् ।—

- (1) श्री करतार प्रसाद सुप्रत वरीया सिंह
ग्राम-टिकारी कालन, दिल्ली ।
(अन्तरक)
(2) श्री सी.एस. आवला सुप्रत साम राज आवला
9/19, पराना राजिन्वर नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुमूल्य

कृषि भूमि ग्राम-टिकारी कालन दिल्ली ।

विमल विशेष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
माहूर :

प्रस्तुप शाहै. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4210—यतः मझे, विमल वर्षाष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो माहिवाबाद, दौलत पुर में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण भलन अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(1) श्री भगवान राय सिंह, प्रताप सिंह और
अजीत सिंह सुपुत्र श्री सरूप सिंह ग्राम-साहिवाबाद,
दौलत पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार हिमतरं का सुपुत्र गरीब शंकर,
139-डी, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-साहिवाबाद, दौलत पुर, दिल्ली।

(ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

विमल वर्षाष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति ८० ई० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्चीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4236—चूंकि मैं विमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो दिचांव कला, दिल्ली में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) क्रों पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपार्ट कन्सिडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित] बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्यातः—

(1) श्री सिंह राम, जसपाल सिंह, राम पाल सिंह
और सुरेश सिंह सूप्रत, शैरियन, शाहपुर जेट
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सिंह चावला सूप्रत राम दिता मल,
डी-23, राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृसाक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि आम विचार कला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रस्तुत आईटोएनएस।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नं ८८ दिल्ली-110002

नं ८८ दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ ३ नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन/एस-आर-१/२-८१/

७३३६—चूकि में विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित वाजार मूल्य २५,०००/- द० से अधिक है।

जिसकी संख्या सी-२८ है एवं जो जी. टी. करनाल रोड, ग्राम भारोला में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न प्रनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार-ट कल्नीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोक ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:—

(र) अन्तरण में हुई फिली ग्राह की वाचत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदले में युविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी फिली ग्राह या फिला धन या अन्य ग्राहियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री रत्न नाल गुप्ता सुपुत्र श्याम लाल सिंगल,
बी-४ए/१०, राणप्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तारा चन्द्र सिंगल सुपुत्र श्याम लाल सिंगल ए-६२/२, जी. टी. करनाल रोड, इन्डस्ट्रीप्लाएरी, ग्राम भारोला, दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं. सी-२८, नेहरू रोड, आदर्श नगर, नं ८८ दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-२, नं ८८ दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रूफ बाइंस. टी. एन. एस. -----

(1) श्री गुरुबिन्दर सिंह बोहरा, ए-2/72, उत्तराखण्ड, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4254—चूंकि मैं विमल वर्णिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वं) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या क्रिया भूमि है एवं जो पुसंगीपुर में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण भल्लन अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इन प्रकट प्रतिफल
(अपार्ट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहं यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और उत्तराखण्ड (उत्तराखण्ड)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या सस्ते बुखरी में सुविधा के लिए;
औड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री गुरुबिन्दर सिंह बोहरा, ए-2/72, उत्तराखण्ड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)
(2) श्री सीलक राम सुप्रभ चूनी चाल, जी-28/3,
राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
पाया गया है।

अनुसूची

क्रिया भूमि 2 बिघे और 9 बिघे, ग्राम पोसंगीपुर, दिल्ली।

विमल वर्णिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धीत :—

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रूरुप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नहूँ दिल्ली-110002

नहूँ दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4183---चूंकि मे विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

जिसकी संख्या नं. 108 है एवं जो शामा प्रसाद मुक्ती पार्क मे
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्तस्ती
में विद्या गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में विनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपार्टेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री चन्द्र मोहन, विजय मोहन, सूप्रब गुरवियाल
मनचन्द्रा, 8864, मुल्तानी धन्डा पहाड़ गज,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश सूप्रब बालीक राम शर्मा, एच-65,
शिवजी पार्क, नहूँ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण ;---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूत्तमी

प्लाट नं. 108, एस. पी. एम. पार्क, नहूँ दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नहूँ दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों' अर्थात्:—

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ हस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 19 अक्टूबर 1981

सदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्चीजीशन2/एस-आर-2/2-81/4263--चौक में विमल विशेष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहीं गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जिसकी संख्या प्लाट नं. 48/1 है एवं जो ग्राम नांगलाहौ शेष, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इसने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्ट्रीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो दूर्व॑क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजेक्टार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभु दयाल और सुरज भान सुपुत्र हरी सिंह, डल्लू, जेड. - 143/डी-1, महाविर नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री स्त्रीन्दर गुमार और जगदीश चन्द्र सुपुत्र गनेश वास, 10-ए/24, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख न 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप वडाया में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 48/1, ग्राम नांगलोहौ शेष, दिल्ली।

विमल विशेष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

सदर्भ 3 नि स आ आ./एक्चीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4261—चूंकि मैं विमल दीशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उंचत बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या प्रो. न 289 है एवं जो नागलोहै शैयद, मैं
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:—

(1) श्री आशा राम, सुपुत्र श्री नन्द लाल, श्राम नागलोहै
शैयद, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सून्दर सुपुत्र नन्द लाल, 5/5, विजय
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांह भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. खसरा नं. 289, श्राम नागलोहै सहव, दिल्ली।

विमल दीशष्ट
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-10-1981
मोहर

प्ररूप आई० ई० एन० ए० ।—
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4262—चूंकि मैं विमल विश्वास,
सहायक प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' ठहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

जिसकी संख्या प्रो. खसरा नं. 289 है एवं जो नांगलोहौ सहद,
विल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कल्सीडरेशन) पर हस्तात्तरित कर दी गई है औ जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने ता कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्ननिम्न उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं हिय, गुण है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रोत्तनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन्, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के अनुमरण
में, उक्त प्रधिनियम की प्राग 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों पर्यात् ।—

(1) श्री राम चन्द्र सुप्रत गग्मल, ग्राम नांगलोहौ सहद,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल सुप्रत एल. श्री चन्द्र भान, 5/5,
विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध
में नमाप होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्त-
बद्ध किसी अन्य अक्षिया द्वारा अष्टोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदाताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही प्रथा होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. खसरा नं. 289, ग्राम नांगलोहौ, सहद, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

- (1) श्रीमती गोमती देवी पत्नी रघु नाथ प्रसाद, और
दूसरे, 540 कटरा हस्तर भवन, दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती राम दूलारी पत्नी श्री राम किशन दास,
1265, रंगमहल, दिल्ली।
(अन्तरीक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, हन्त्रप्रस्थस्टेट
नं ११०००२ दिल्ली-११०००२

नं ११००२ दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981
मंदर्भ ३ नि.म.आ.आ./एक्वीजीशन/एम-आर-१/२-८१/
७४७५—चैंकि में विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है जो

जिसकी माल्या मकान नं. 1265 है एवं जो रंगमहल में स्थित
है, (जिसका अधिक वित्त विवरण संलग्न अनुमती में दिया
गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को इन्हें प्रकट प्रतिफल (अपारेंट
कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है।
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरीक्षी (अन्तरीक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृदय किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग की किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नं ११०००२ दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन मूल्यना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

बर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स आ.आ./एक्वीजीशन-2 'एस-आर-1/2-81/
4190—चूंकि मैं, विश्व विशेषज्ञ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट न. 106, है एवं जो हरी नगर,
घंटाघर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विवरण
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को अधीन पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को उतने प्रतिफल (आपरेंट कन्सीडरेशन)
पर हस्तांतरित कर दी गई है।

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाका गया प्रति-
क्रम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्रम से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधीनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती कैलाश कुमारी, बाबू हवेली राम,
111/138, ग्रन्ट सिंह गोपीनाथ बाजार दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष वहस एनी श्री के. एल. दहल
डी-155, फतेह नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममता

प्लाट नं. 106, हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली।

विश्व विशेषज्ञ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
बर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
सील :

बत: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

प्रसूत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सोहन लाल धवन, सुपूत्र श्री जीवन दास धवन,
जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री जगत राम सुपूत्र सनवाल दास और श्रीमती
दया वती जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रेस्थस्टेट
नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीएन-2/एस-आर-1/81-
82/2-81/7406—कृतिक मौ, विमल ठिक्की, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर समर्पित जिम्मका उचित धाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या जी-3, है एवं जो मांडल डाटन, दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
विद्या गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके हृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्त्रविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विरभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त संपत्ति
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए।

अनुसूची

मकान नं. जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली।

विमल ठिक्की
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ना
भारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एस' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

मंदर्भ 3 नि.स आ.आ /एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/81-
82/2-81/7438--चूकि मैं, विमल बविष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
इथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
प्रधिक है।

और जिसकी सं. म्यूनिसीपल न. 4771, है एवं जो भरत राम
रोड, दरीया गंगा, में स्थित है, जिसका अधिक बिस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दुःख मान प्रतिफल में, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने
पा उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिथाने
में सुविधा के लिए;

परंतु, यद्यु, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, भारत [---

(1) श्री रणवीर सिंह टंडन, सुपुत्र बी. एम. टंडन,
मकान नं. 4771/23, दरीया गंगा, अंसारी रोड,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं कांचन कमरेसेयल कं. प्रा. लि., 143, कट्टन
स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20 के यथाविभावित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसीपल नं. 4771, भरत राम रोड, दरीया गंगा, नई
दिल्ली।

विमल बविष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
माहूर :

प्रकर धाई० दी० इन० एन०- -

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
भारा 269-ए (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट

नई विल्ली, विनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-
82/2-81/4266—चूंकि मैं, विश्व विशिष्ट,
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के पश्चीन सञ्चय आधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर- सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लाट नं. 1, है एवं जो राजोरी गाड़ौन, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची भं
दिया गया की घोषकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के महीं विरसी स्थित कार्यालय में
दिनांक करवारी, 1981

मो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया का फन्डह वर्तिगा से प्राप्त कर और प्रस्तुरक
(मन्त्रिकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रबन्धण के लिए तय गया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रबन्धण विविध में वास्तविक रूप में किया
नहीं किया जाता है:—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के पश्चीन कर देने के प्रस्तुरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या प्रथम ग्राहितयों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के प्रबन्धण
में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए की उपलब्धा (1)
के पश्चीन, निम्नलिखित अवित्यों, वर्णात् :—

(1) श्री बलवन्त राय सुपुत्र मोहन लाल निवासी जे-11
2, राजोरी गाड़ौन, विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार गुप्ता सुपुत्र रामेन लाल गुप्ता 12
18, शक्ति नगर, विल्ली

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या उससम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्यों द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अस्त्र अवित्यों द्वारा अधोइस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं,
वही अर्थ देंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृदूसूची

प्लाट नं. 1, ब्लाक नं. जे-4, राजोरी गाड़ौन, विल्ली।

दिल्ली विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्रसूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, "एष" ब्लांक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-
82/2-81/7414—चूंकि मैं, विमल वीश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंस्या प्लाट नं. 22, है एवं जो शक्ति नगर में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुमूल्यी में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक 19-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की दफ्तरा (1)
के अधीन मिमिक्षित अविक्तियों वर्णनः—

(1) श्रीमती रामी लुधरा, पत्नी, दीनानाथ, 14/22,
शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राम अवतार गुप्ता और शिवनन्द गुप्ता सुपत्र श्री
नरसिंह दास गुप्ता, निवासी-11702, जी.टी.
गोड, शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भासेवः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुमूल्यी

प्लाट नं. 22, ब्लॉक 14, शक्ति नगर, दिल्ली।

विमल वीश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, नई दिल्ली

दिनांक 19-10-1981
सील :

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थस्टेट
 नई दिल्ली, विनाक 19 अक्टूबर 1981

सर्वर्भ 3 नि.स.आ.आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/81-
 82/2-81/4239—चूकि मैं, विमल विश्वास,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं जो विचार कला, में
 स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
 दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
 के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
 दिनाक फरवरी, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे हृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भूमिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आदि था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

इतः बत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण
 में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभाषा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोसूची:-

(1) श्री सिंह राम और उसके सुपुत्र श्री शंकर, निवासी
 शाहपुर जटे दिल्ली
 (अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह चावला एच-यू-एफ, सुपुत्र नन्द
 सिंह चावला सी-4, राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली
 (अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-विचार कला, दिल्ली।

विमल विश्वास
 सभी प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक . 19-10-1981
 मोहर:

प्रधन प्रधन आदौ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहाय्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एन्स" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीएन-2/एस-आर-1/2-
81/7405—चूंकि मैं, विमल विश्वास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं. के-16 है एवं जो मोडल टाउन
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत छिपारण मंलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय
में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्णता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के सिए अन्तरिक्त की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल से, एसे अधिकार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री जगत् राम सुपूत्र सनदाल बास और द्वारा, के-
16, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री कृशन लाल सुपूत्र राम लाल और द्वारा ए-11/
12, मलका गंज, एस/मंडी, दिल्ली

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिसित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रश्नत व्यक्ति द्वारा पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भासित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मनूसूची

(क) अन्तरण से है एसे किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे दूरने में सुविधा के लिए;(ब) एसे किसी आय या किसी भूमि या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधोषनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
महाराष्ट्र के आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्लीअतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाषा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधात्:—दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्रसूप बाहुद. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

सदर्म 3 नि.स.आ.आ./एक्योजीशन-2/एस-आर-1/81-
82/4204—चूंकि मैं, विलम विशेष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी र. जे-12/34, है एवं या राजस्वी गाड़ौन, में
स्थित है, जिसना अधिक विस्तृत विवरण मालमत अनुसंधी में
दिया गया की पौजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन पंजीकरण अशकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विज्ञाक
फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या बन्ध वासिनों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मृदुली

प्लाट नं. जे-12/34, राजस्वी गाड़ौन, नई दिल्ली।

विमल विशेष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
संख्या दंड-11, नई दिल्ली

अज्ञ अज्ञ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:---

सौन:

दिनांक : 19-10-1981

(1) श्रीमती राधा राजी कम्पूर, पत्नी एस. के. कम्पूर,
सेके. नं. 16, मकान नं. 222, करीबानाव,
(हरीयाणा)

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह गुजराल और दूसरे सुपुत्र ज्ञान जे-
12/34, राजस्वी गाड़ौन, ग्राम-तातर पूर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों द्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख जैसे
45 दिन की अवधि वा तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की दातित से 30 दिव की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख जैसे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधितराजा:- इसमें प्रदत्त ज्ञानी और पदों का, को उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में किरातीष्ठत है,
वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रस्तुप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, हन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2/581/7407—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-3, है एवं जो मोडल टाउन, मैं स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मैं दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय मैं दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित मैं वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती चौथ रानी बाई पत्नी सोहन लाल धनन, जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगत राम, सुपुत्र श्री सनदाल वास और दूसरे जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

सील :

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—
10—336GI/81

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2-81/7476—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो. नं. 2546, है एवं जो मोहला तिरहा बेरहम सान, दिरिया गंज, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विली मिथ कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शेख मुमताज उल अफीन सुपुत्र स्वगीय समसुल अफीन, 2128, अहोता काले साहब, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री भगदत प्रसाद सुपुत्र लाला राम, 3005, कूचा नीलकाठ, फेज बाजार दिग्गिया गंज दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2546, मोहला तिरहा बेरम खान।

विमल विश्वास
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

सील :

प्रलूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7385—चूकि में विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या मकान नं. 9/151 है एवं जो गली बताशा,
चावड़ी बाजार में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वा) के अधीन पजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थेत कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इसने प्रकट
प्रतिफल (अपारेंट कन्सिडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है।
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
गतिहाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
निरुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रेती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रस्तुतिक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती राम काली देवी पत्नी स्वर्गीय श्री फूल
चन्द, प्रेम शंकर और बूसरे सुप्रभु श्री फूल चन्द,
बी-1/205, पश्चिम विहार, नई दिल्ली।
(अंतरक)

(2) श्री दर्शन कुमार, श्री सुरीन्द्र कुमार सुप्रभु
श्री हन्स राज सुरी, एफ-18/16, कृष्ण नगर,
नई दिल्ली।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड़/या

अनुसूची

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड़/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मकान नं. 9/151, गली बताशा, चावड़ी बाजार,
दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन द्वेष-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
में अधीन, विमल विश्वास व्यक्तियों, अस्ति :—

प्रकृष्ट प्राईडी ३० एम० एस०————

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार**भार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)**

अर्जन रेज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रेस्ट स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7418—चूंकि मैं विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

जिसकी संख्या ए-2/113 है एवं जो राजोरी गाड़ौन, नई
दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में विनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपारेंट कन्सिलरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूरोंकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्चत
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसीं किसी आय या किसी धन या सम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उच्चत अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार
मे, मे, उच्चत अधिनियम की भारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री महेश्वर सिंह सुप्रति श्री हरी सिंह, जे-77,
राजोरी गाड़ौन, नई दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री प्रीथवीपाल सिंह,
ए-2/113, राजोरी गाड़ौन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के उच्चत के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उच्चत सम्पत्ति के उच्चत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्राक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

विमल विश्वास

मकान नं. ए-2/113, राजोरी गाड़ौन, नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

सील :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री बाबू राम सुप्रति श्री केवार नाथ, 1547 कुच्छा
सेध, दरीबा कलन, विल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री राज तीलक सुप्रति मोहन लाल, 559/2-ए,
गली नेताजी, गांधी नगर, विल्ली।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नंदू दिल्ली-110002

नंदू दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्चीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7412—चौकि में विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 4678, 4681, 4682 है एवं जो महाबीर
बाजार क्लौब मार्केट में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण सलग्न अनुसूची में विद्या गया की. पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16 अंति) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने
प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी
गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उरके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था उक्त पाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 4678, 4681, 4682 महाबीर बाजार, क्लौब
मार्केट, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नंदू विल्ली

दिनांक : 19-11-1981
मोहर :

प्रेसप्राइंटी टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नश्वर दिल्ली-110002

नश्वर दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ मं. 3 नि.म.आ.आ./एक्यूजिशन-2/एस-आर-1/
2-81-82/81/7408—चूकि, मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
जिसकी संख्या सोप नं. 22 है एवं जो म्यूनिसीपल नं. 5641,
5644, नश्वर सड़क में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
विलीन स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इसने
प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्फिडेंस) पर हस्तान्तरित कर दी
गई है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अनुकूल प्रतिपत्ति से अधिक है और प्रत्यक्ष
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
तरीके किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

(1) श्री जगत नाथ सुप्रिय राम रूप, 74, टोडरमल
रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र मोहन और राजेन्द्र महेन सुप्रिय
स्वर्गीय श्री वाकेव, 13, लखनऊ रोड, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सोप नं. 22, म्यूनिसीपल नं. 5641, 5644, कटरा
अनुप सिंह, नश्वर सड़क, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नश्वर दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि स.आ.आ./एक्षीजीशन-2/पम-आर-1/2-
81/7467—चूंकि मैं विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी मात्रा 1513 है एवं जो जी.टी.रोड, घंटाघर एस/
मंडी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छहमास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे छहमास प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीरती (अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

(1) श्री कस्तूरी लाल, विजय कुमार और दूसरे सुपुत्र
श्री कुमुर राम, 5256, क्रेहलापुर रोड, एस/
मंडी, विल्ली।

(अन्तरक)
(2) श्री प्रीतम प्रमाद, जैन, सुपुत्र भक्षी लाल जैन,
43-के, केदार बिल्डिंग घंटाघर एस/मंडी विल्ली
(अन्तरीरती)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं 1513, जी.टी.रोड, घंटाघर सब्जी मंडी,
विल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 'एच' ब्लॉक, विश्वास भवन, इन्डप्रेस्थ स्ट्रीट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7466—चूंकि मैं विभल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 6 सोप्स है एवं जो नियर बंडाघर, एस/मंडी,
जी.टी. रोड में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया कों पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
रिप्ट विवरण से दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
का एने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पत्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री राम सरूप, कस्तूरी लाल, काशीरी साल,
विजय कुमार और मूलक राज सुप्रति श्री कौत
राम,
रास, 5256, कोहला पर हाउस, एस/मंडी, विल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार जैन, सुप्रति श्री राम सरूप निवासी-
5215, कोल्हापुर, रोड, विल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना तो द्वारपाल द्वारा प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

6 सोपे नियर, बंडाघर एस/मंडी, विल्ली

विभल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, हन्दप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली-110002

नहर दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/प्रभ-आर-1/2-
81/7439—चूंकि मैं विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या मकान नं. 1747 है एवं जो चीरा खना, मैं
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया कि पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन)
पर हस्तान्तरित कर दी गई है
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पाप्राप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर दबे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—336GI/81

(1) श्री रंग बहादुर सुप्रति शिव साहाय और दूसरे
1747, चीरा खना दिल्ली और दूसरे,
(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री राम सरन, राकेश कुमार, विजेन्द्र कुमार,
जगल किशोर निवासी-6/33, डब्ल्यू. ई. ए.,
करोल बाग, नहर दिल्ली।
(हस्तांतरिती)

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं. 1747, चीरा खना दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नहर दिल्ली

दिनांक : 23-11-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एम.-----

(1) श्री सुरत मिह सप्त्र छोटे ग्राम अलीपुर, दिल्ली।
(हस्तातराणकर्ता)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एस' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्यूजीशन-2/एस-आर-2/
2-81/4205--चूंकि मैं विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी सम्प्राप्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विन्नत विवरण संलग्न अन्मूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टें
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरों प्रतिफल से, ऐसे दूसरों प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृपा से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकृतों अधीन:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी विवेद:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

विमल विश्वास
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयन्त्र (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री सुरत सिंह सुप्रत छोटे निवासी ग्राम अलीपुर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री मती बहूमों देवी, पत्नी श्री पोखर रमल, बी-एस/8,
राणाप्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

उत्तर सम्बन्ध

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ 'स्टेट
न्हर्ड' दिल्ली-110002

न्हर्ड दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्चीजीशन-2/एग-आर-2/2-81/4206--यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसद्वारा संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में
स्थित है, जिसद्वारा अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक : 19-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, न्हर्ड दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीएन-2/एस-आर-2/2-
81/4227—दत. मुझे, विमल विश्वास,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसको मंज्या फ्लाट नं. सी-100 है, एवं जो फतेह नगर
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण मान्दम अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981।

को पूर्वोत्तर संपत्ति के ऊचल बाजार मूल्य संबंध के छवमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छवमान-प्रतिफल में, एवं उसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(1) श्रीमती रुक्मान कौर पत्नी एम. आशा सिंह द्वारा
जी. ए. एस. तरलोचन लम्हा, सूप्रत्र एस. राम
सिंह, निवासी सी-5 फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलजीत कौर पत्नी तरबीर सिंह, निवासी
जी-139 'जी' ब्लॉक हरीनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, एवं अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदान नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
दूरिधा के लिए;

अनुसूची

फ्लाट नं. सी-100, फतेह नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-200
वर्ग गज, ग्राम-तिहाड़, नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत '---'

प्रसूप आइ^१.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थस्टैट,
नई दिल्ली-110002, विनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7469---यतः मुझे, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं. 6203 है, एवं जो कुचा शिव-
मंडी, गली बताशान, खारी बावली में स्थित है (जिसका अधिक
विवरण मंलग्न अनुसंधी में दिया गया है), की पंजी-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजी-
करण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिताक फरवरी,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कानून नहा। किंतु गया है।-

(1) श्री राम किशन सुप्रब्ल ज्वाला प्रसाव, 1915-16,
लाल कुमार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार और दूसरे सुप्रब्ल लाला चन्द,
गली बताशान, खारी बावली, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित किए जा सक्ये।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

मकान नं. 6203, गली बताशान, खारी बावली, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधास्त् :—

दिनांक . 23-10-1981
माहेर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री खब राम और रामदयाल सुपत्र जय राम, ग्राम-नांगली, शक्वती, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री देश राज मिह सुपत्र एल. एस. बारू सुपत्र बारू मिह, 34/42, पंजाबी बाग, नहर विलो।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट,

नहर विलो-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एम-आर-2/2-81/4246--यतः मृझे, विभान विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी मात्रा कृपि भूमि है एवं जो ग्राम नांगली, शक्वती में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूली में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली मित्र कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राकृति सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक स्विकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि, ग्राम-नांगली, शक्वती, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नहर विलो

दिनांक 23-10-1981
माहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सूदर्शन राम और रामदण्डन मप्रश्न जग राम, ग्राम-नागली, शक्वती, दिल्ली।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सरबजीत सिंह सप्तश देश राज मिह, निवासी, 34/42, पजाबी बाग, दिल्ली।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आवृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, हन्दप्रस्थ एस्टेट
नं ११००२ दिल्ली-११०००२

नं ११००२ विल्ली-११०००२, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

सदर्भ ३ नि स आ आ /एक्वीजीशन-२/एम-आर-२/२-८१/४२४९—चाकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी स्थाय कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नागली, शक्वती
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण रात्रन अनुसूची
में दिया गया है), की पजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पजीकरण अधिकारी के द्वारी स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गे कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पूर्वोक्त स्थावर
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

कृषि भूमि, ग्राम-नागली, शक्वती, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आवृत्ति (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नं ११००२ विल्ली

दिनांक 23-10-1981
मोहर

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् :---

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, 'एच' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जनवरी 1981
संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्टीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4252—चौंक मौ, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं. बी-71 और 72 है, एवं जो फतेह नगर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-पाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायिक्स में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाधा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कुदरत सिंह सेठी, भूपत्र श्री करतार सिंह सेठी, ए-15/27, वसंत विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री तरलोचन सिंह सूपत्र श्री करतार सिंह, 145, प्रताप नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-71 और 72, फतेह नगर, दिल्ली, नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र-ज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 2 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7391---चूंकि मैं विभल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7823 है, एक जो रोशनाग रोड में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुस्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—336GI/81

(1) श्री प्रताप मिह मपत्र गन्धा मिह, 9/7, साउथ पटान नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी मगल मिह, 7823, रोशनाग रोड, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्यमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शो. न 7823, रोशनाग रोड, दिल्ली।

विभल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन र-ज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

माहेर :

प्रस्तुप थाइ^१. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4238—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार गूँथ 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-दिनांक कला,
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्य-
लय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में भूमिका के निम्न
जारी/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी भज या अन्य आस्तीर्णों
को, जिन्हें सारदीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन.
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने में भूमिका
है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राम सिंह, जाय पाल-सिंह और राम पाल सिंह,
सुरेश सिंह सूपत्र शंकर, निवासी ग्राम-शाहपुर,
जट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह चावला, पंच-यू-एफ, सूपत्र नन्द
सिंह, सी-4, राजोरी गाड़ीन, दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवारीहों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दब्द द्वितीय अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा-
ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-दिनांक कला, दिल्ली.

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रस्तुप स्टाईल टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रेस्ट एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4248—चूंकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन संभग प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या क्रूपि भूमि है एवं जो ग्राम-नांगली, शक्वती
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि पथापूर्वी सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
भवतरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के द्वीप
ऐसे अन्तरण के लिए उप गया गया प्रतिरूप, निम्नलिखित
सूचेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उगाचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् : —

(1) श्री खब राम और रामदयाल सुप्रत जय राम, ग्राम-
नांगली, शक्वती, दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्री अमृत पाल सिंह सुप्रत देश राज सिंह, 34/42,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अंतरित)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पर तक्षबंधी अवित्यों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्या द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्या द्वारा, प्रवौद्धताधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

प्रधानोकरण :—हतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्रूपि भूमि, ग्राम-नांगली, शक्वती, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

विनांक 23-10-1981
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4237—सूचिक, मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मंत्रित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो शाम-विचांव कलान, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्सूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीकृत संरक्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रश्नित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्धारितिका उद्देश न उक्त प्रतिरक्षण विधिन में वास्तविक रूप में नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी नहीं या उक्त बदौ में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ८—

(1) श्री सिंह राम जयपाल सिंह रामपाल सिंह और सुरेश सिंह सुपुत्र हस्कार, निव्सी ग्राम शाहफूर जेट, दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्री किरपाल सिंह चावला, एच-य-एफ स्पूच श्री प्रसाप सिंह चावला, मी-4, राजोरी गाड़ैन, चिल्ली।

(अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्राप्ति के प्रज्ञन के लिए, कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवृत्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ हांगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि, शाम-विचांव कला, दिल्ली।

विमल विश्वास
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रेस्ट एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4247—चूकी में, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी माल्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नागली, शक्रदती
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिनांक स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री लुम राम और रामदयाल सूपूत्र जय राम, ग्राम-
नागली, शक्रदती, दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्री भूपेन्द्र सिंह सूपूत्र दंश राज, 34/42, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली।

(अंतरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नागली, शक्रदती, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संवर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7363—चूंकि मैं विमल वर्षाष्ट,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, यिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
के उचित बाजार मूल्य से अधिक की अचल संपत्ति
जिसकी मूल्या ए-17 है एवं जो कम्पनीटी सेन्टर, डा. मुकुरी
नगर, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इसने प्रकट
प्रतिफल (अपार-ट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा यूनिट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है
और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिशिरियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिषित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण निषित नैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आप. की शावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त से बचने में सुविधा के लिए।
ग्रोरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के मनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अवत :—

(1) श्री चन्द्र शेखर, इन्द्र कुमार सुशिल कुमार,
ई-ए-196, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री किशनदास, शिव सूरण, भौज राज, बलराम
धवन, और श्रीमती नविन धवन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रदृशि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों
में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद किसी अम्य अवित्य द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. ए-17, कम्पनीटी सेन्टर, डा. मुकुरी नगर,
दिल्ली।

विमल वर्षाष्ट
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रैज-2, नई दिल्ली।

दिनांक : 23-10-1981
मोहर

प्रस्तुप आई. टी: एन. एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ. (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4229—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नवादा में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरारों) और प्रत्यक्षी (अनारितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तित्व—

- (1) श्री भारत सुपुत्र श्री तीरखा और श्री ओम सोनपुत्र श्री चान्दगी, निवासी ग्राम नवादा, दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्रीविर सिंह, निवासी 3961 गली अहिरन पहारी धीरज, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में नोई भी प्राक्षेत्र:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिघे ग्राम नवादा, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) :
अर्जन रोड, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एकवीजीीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4189—चूंकि मैं विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या क्रा. नं. 17/135 है और जो सभापत्र नगर,
नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकार
प्रतिफल (अपार्टमेंट कम्पनीशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया हैः--

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
साथित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री एस. पी. तलवार,
निवासी द्वारा नं. 111 के पीछे, शंकर रोड
मार्कीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश राज सेठी पत्र श्री जगन नाथ सेठी,
निवासी 13 76 सभापत्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कर्वाटर नं. 17/135, सभापत्र नगर, नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

मोहर :

प्रखण्ड आई० टो० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना।

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संवर्ख 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4203--चूकि, मैं, विमल विशेष्ठ,

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इयके पाँचवां 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन अर्जन धारितारों को, पद विवरण करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या ब्लॉट नं. ए/82 है एवं जो हरी नगर घटाघर
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण भलग्न
अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इनके प्रकट
प्रतिफल (अपारांट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथ
याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री रसन सिंह सूपूर्णी
एस लाल सिंह, सी-152, हरी नगर, घटाघर,
पंजाब, इंडिया।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती सत्य रानी पत्नी तिलक राज छाबा,
16/254, नया मोती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयोंहां करता हूँ।

उक्त समाति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्राप्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिवर्तित है,
वही अर्थ होगा जो उक्त प्रयोग में विद्या गया है।

अनुसूची

ब्लॉट नं. ए/182, हरी नगर, घटाघर, नई दिल्ली।

विमल विशेष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

माहूर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, 'एच' ब्लौक, विकास भवन,
इन्डप्रेस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 23 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एम-आर-2/2-81/4231—कूकिं मैं, विमल विश्वस्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी मूल्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981
को गूँवित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
निम्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री हरी चन्द, अर्जुन महीन्द्र सूपूत्र गीयानी, ग्राम-
बुरारी, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. श्री संजीव सिंह सूपूत्र सर पाल सिंह, ए-26, रिग
रोड, नई दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त श्रूती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
भूक्त विकास के अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

विमल विश्वस्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

अतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 23-10-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि. स. आ. आ /एक्सीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4191--चूकि मौ, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी संख्या ए-163, है एवं जो फतेह नगर, नई दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
विवाक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के तिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में
सुविधा के सिए;

1. श्रीमती शान्ति घार्ड, श्री बी. जी. घार्ड, डल्लू-जेड-
215-सी., वरीन्द्र नगर, नई दिल्ली।
(हस्तांतरणकर्ता)

2. श्री राज कुमार और श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री
मंगत राम 444, गली राजन कलान, कशीपुरी गेट,
दिल्ली।
(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ने दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. ए-163, फतेह नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981
माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन,
हन्दप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4283—चूकि मैं, विमल विश्वास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैजिसकी संख्या 11, है एवं जो जीवानी ब्लॉक गंगाराम वाटीका, मैं
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल है; लिए अन्तर्गत दी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया ग्राहित-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार श्रक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;1. श्री वेद मितरा सुपुत्र श्री हन्स राज भाटिया, जे-12,
जीवानी ब्लॉक, गंगा राम वाटीका, नई दिल्ली ।
(हस्तांतरणकर्ता).2. श्री सौदागर मल सुपुत्र श्री गुरदीपा मल, एस-12,
गजरी गाड़न, जनता मार्किट, नई दिल्ली ।
(हस्तांतरणकर्ता)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।उपायकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1-1/2 भाग प्रो. नं. 11, जीवानी ब्लॉक, गंगाराम वाटीका,
नई दिल्ली ।विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्लीजल्द: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--तारीख : 23-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच'लौक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ एस्टट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निवारण स 3 नि स आ आ /एक्वीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4208--चूकि में, विभाल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लंघन बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सम्भवा कृषि भूमि है एवं जा शाहिदायाद, दौन्हत पर, मा-
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण सन्दर्भ अनुसूची में
दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)
के अधीन पजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में,
दिग्गज फरवरी, 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृद्दे किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त :---

1 श्री भगवान सिंह, राज सिंह प्रताप सिंह और अजीत
सिंह सुपुत्र श्री सरूप सिंह निवासी ग्राम-साहिबाबाद,
दौलत पुर, दिल्ली ।

(हस्तातरणकर्ता)

2 श्री अवनस्ट कौर भाटिया पत्नी श्री जोगीन्द्र सिंह
भाटिया, 2718/7, चूना मड़ी पहाड़गढ़, नई
दिल्ली ।

(हस्तातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पां
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बिधे और 16 बिश्वे, साहिबाबाद, दौलतपर,
दिल्ली ।

विभाल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

तारीख 23-10-1981
माहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निवारेश संघ्या 3 नि. स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4209—कूटि मैं, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जिसकी भ. कृषि भूमि है एवं जो सहिवाबाद, दौलतपुर, दिल्ली
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को रुपोंके सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगाहे दरायान निकल गे, एसे हथयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ज्ञात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान सिंह, राय सिंह, प्रताप सिंह और अजीत
सिंह सुपुत्र श्री स्वरूप सिंह ग्राम-साहिवाबाद, दौलत-
पुर, दिल्ली ।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. जोगीन्द्र केर भाटिया पत्नी श्री बलबीर सिंह,
2718/7, चुना मंडी, पहाड़गंज, दिल्ली ।

(हस्तांतरणकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बिल्डर और 17 बिल्डर, ग्राम-साहिवाबाद, दौलत-
पुर, दिल्ली

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981
मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ब्लैक, विकास भवन, हॉटेल प्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीजन-2/एस-आर-2/
2-81/4230—चूंकि मैं, विकल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-नवादा, मैं
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विश्वरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निष्पत्ति में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण में दृई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहेथा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिथे ग्राम-नवादा, दिल्ली।

विकल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, नई दिल्ली

प्रत: प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत: —

तारीख : 23-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आहु. टो. एन. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 24 अगस्त 1981

निदर्शन सं. राज./सहा आ. अर्जन 1031—यतः, मूर्ख,
एम. एल. ओहान,

निदर्शन सं. राज./सहा आ. अर्जन 1031—यतः मूर्ख,
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन
सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी मूल्या प्लाट नं. 18 है तथा जो जौधपुर में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अस्तरित की वई है और मूर्ख यह
विश्वास करने का कारण है कि यष्टापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रस्तरिती
(अस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पाया यथा प्रति-
फल निम्नलिखित उम्मेद से उक्त अस्तरण विवित में वास्तविक
कद से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधृत
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
यूक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन
निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री हुजारी मल, पुत्र नेन्नराम, मसूरिया, पाल रोड,
जौधपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रत्न कल्ला, पत्नी जगदीश, चोपासनी रोड,
डालडा भवन, जौधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीनर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं. 18, बेलदार कालोनी, मसूरिया, जौधपुर उप
पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 860 दिनांक 24-4-81 पर
पंजीयक विक्रय पत्र में और विमृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. ओहान
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-8-1981
माहर :

प्राप्त प्राई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निदेश स. राज /सहा. आ. अर्जन/142—यत.. मुझे,
प्रभ. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स. आवासीय भकान है तथा जो पाली में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

13-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
गणिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत में, नेमे दृश्यमान प्रतिकृत का
परम्परा है प्रतिगत से भविक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया व्रतिकृत विनियमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विनियम में वास्तविक रूप से कठिन नहीं छिपा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षके
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—336GI/81

- 1 धनेश चन्द्र पुत्र मीठालाल आमवाल करणाकर, नि.
जालौर वर्तमान निवासी अहमदाबाद।
(अन्तरक)
- 2 श्री किशोर चन्द्र पुत्र मीठालाल आमवाल करणावतीनि,
पाली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

प्रत्यक्षी

आवासीय भकान, रामलीला मैदान, पाली, जो उप पंजीयक,
पाली द्वारा क्रम संख्या 2164 दिनांक 13-2-1981 पर पंजी-
दब्दधिकारी पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

तारीख : 24-8-1981
मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निदेश म. राज./सहा.आ.अर्जन/1043—यतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राविकानी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं. प्लाट नं. 11 है तथा जो जैधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जैधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रदृष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है।—

1. श्री गुमानमल मोहता पूर्व श्री जीवराज जी मोहता, मिट्टी प्लिस, जैधपुर।
(अन्तरक)

2. श्री जिमनाराम पटेल पूर्व नाथागाम पटेल निवासी कवीराज जी की डोली, जैधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रत्यक्षरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

पाल्ट नं. 11, सैक्षण 4, सैक्टर 1, शास्त्री नगर, जैधपुर पर स्थित सकान जो उप पंजीयक, जैधपुर द्वारा कम सम्मा 967 विनांक 8-5-1981 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
संक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख : 24-8-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश मं. राज./महा.आ.अर्जन/1044—यतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 11 है तथा जो जौधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वाधित है नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक व पुई किमा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसा किसी प्राय या इसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रबन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
को अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुमानमल महेता पंत्र श्री जीवराज जी मंहेता सिटी
पुलिस, जौधपुर।

(अन्तरक)

2. श्री तिलोकराम पटेल पंत्र श्री चिमनगम पटेल,
निवासी ग्राम कवीराज जी की छोली, जौधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकें।

संष्टीकरण:—इमंते प्रश्न गढ़दा ग्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क न परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 11, सैक्षण 4 सैक्टर ए, शास्त्री नगर, जौधपुर पर
स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा कम संख्या
966 दिनांक 8-5-1981 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में आरू
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहानी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-8-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश स. राज.-सहा.आ. अर्जन/1056/-यत., मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी दक्षान न. 24 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2-2-1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नन्दलाल पृथि श्री रंगराम, निवासी हनुमानगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री केशवप्रसाद पृथि गोपीराम निवासी हनुमानगढ़।
(हस्तांतरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दक्षान न. 24, ग्रीन मडी, हनुमानगढ़ की जमीन में हिस्सा
जा उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा क्रम संख्या 159 दिनांक
2-2-1981 पर विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 30-9-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री. एम. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 30 सितम्बर 1981

निदर्श सं. राज./सहा.आ. अर्जन/1055—पतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विभास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान 24 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है,
(और इससे उपावक्त्व उन्सूची में और पूर्णस्वरूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकर्ट
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह किण्ठास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल तो पैको दृश्यमान प्रतिफल के पक्षद्वारा
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
आतरिती (आतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राह्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अ। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्दलाल पत्र श्री रंगाराम, निवासी हनुमानगढ़।
(अन्तरक)
2. श्री केशवप्रसाद पुत्र गांधीगम निवासी हनुमानगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मेंकोई भी आदेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौद्योगिकी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संटोकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अङ्गाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अङ्गाय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 24, ग्रीन मैंडी, हनुमानगढ़ की जमीन का भाग,
जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 115 दिनांक
29-1-1981 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-9-1981
माहूर :

प्र० ल० प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निवेश संग्रह./सहा. आ. अर्जन/1056—यतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लाट न. 153 है तथा जो कोटा में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णांक में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

2-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

1. श्रीमती बुजकान्ती देवी पत्नी श्री बासदेव सहाय
भार्गव, निवासी सी-240, दयानन्द मार्ग, तिलक
नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरज बाई पर्मपत्नी श्री राधारमण जी राठी,
निवासी क्षेत्र, जिला गुजरात (मध्यप्रदेश)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का पूर्वी भाग स्थित न. 153 वल्लभभाड़ी, कोटा जो
उप पंजीयक, कोटा द्वारा क. म. 250 दिनांक 2-2-1981
पर पंजीबद्ध विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-9-1981
माहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश सं. राज./सहा./आ./अर्जन—यतः मृभो,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. मेर अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 153 है तथा जो कोटा मेर स्थित
है, (और इसमे उपावदध अनुमती मेर और पूर्ण रूप मेर वर्णित
है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय कोटा मेर, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2 फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभो यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतर्गत) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेर वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व मेर कमी करने या उससे बचने मेर सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी विस्तीर्ण आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेर सुविधा
के लिए;

अह: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
मेर, मृभो, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

(1) श्री दामदेव सहाय भारवि पूर्व श्री किशोरीलाल जी
भारवि, निवासी मी-240, दयानन्द मार्ग, तिलक
नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केसर बाई पात्नि श्री बक्टलाल जी निवासी
क. भराज जिला गुना (मध्य प्रदेश)।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मेर कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आवधि मेर समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मेर मेर किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेर हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के
द्वारा लिखित मेर लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मेर परिभाषित
हैं, वहो अर्थ द्वारा जो उस अध्याय मेर दिया
गया है।

अमृसूची

मकान का फर्स्ट फ्लोर स्थित प्लाट नं. 153 बल्लभबाड़ी,
कोटा जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा कम संख्या 252 दिनांक
2-2-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र मेर और विस्तृत रूप मेर
विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जयपुर

तारीख : 30-9-81

माहूरः

प्रधन आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश म. राज./सहा./आ/अर्जन—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी म. प्लाट नं. 153 है तथा जो कोटा में स्थित
है, (और इसमें उपान्नदूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2 फरवरी, 1981

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त सम्पत्ति के अधीन
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मत्प्रकाश भार्गव आस्थम श्री बाम्बेव सहाय
भार्गव निवासी 247 दयानन्द मार्ग, तिनक नगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता परित्त श्री गोपालदाम जी निवासी
कुमारज जिला गुजरात (भृथ प्रदेश)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगूली

मकान का भाग स्थित प्लाट नं. 153 बल्लभ बाड़ी कोटा जो
उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 251 दिनांक 2-2-81 पर
पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 30-9-81

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश सं. राज./सहा./आ./अर्जन—यतः मझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ-72 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख
25 अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के त्वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्याप्तिशील रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की आकृत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवृत्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भत्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

14-336GI/81

(1) श्री बाबू राम जैन पूर्व मंगसराय जैन निवासी ओल्ड
स्टेशन गोड, अलत्रर।

(अन्तरक)

(2) श्री केसरी चन्द्र पूर्व सूरज मल 1340 किशनपाल
दाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी वाक्यपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि आवं भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं. एफ-72, पूर्वी भाग, सुभाष मार्ग, सी-स्कीप,
जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम भेल्या 982 दिनांक
25-4-81 पर परिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में
विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जयपुर

तारीख : 30-9-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निवेश सं. ए एस आर/81-82/234-यतः मुझे,
आनन्द रिंसह, आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दंकाने हैं तथा जो बाजार राय बाग, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जनसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर भे
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान
प्रतिशक्ति को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिशक्ति से एसे हश्यमान प्रतिशक्ति का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
शक्ति, निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है।--

(1) श्री रणजीत मोहन पुढ़ी श्री मधुरा दास वासी कूचा
तिवारियां, मकान नं. 3669/11, अमृतसर।
अब सैक्टर 23-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शश्कला उर्फ मीना पुढ़ी हंस राज पत्नी केवल
कृष्ण वासी कूचा तिवारिया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(2) जैसा कि उपर सं. 2 यथि और कोई व्यक्ति किराए-
दार है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रदृष्ट सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृगसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

दो दंकानें नं. 28/1, 28/4 जो बाजार राय बाग स्कीम,
अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3463/1 विनांक
19-2-81 रजिस्ट्रेशन अधारटी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द रिंसह¹
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3-चन्द्रपूरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 30-9-81

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निवेद सं. ए. एस. आर. /81-82/233—यतः मर्फ़े,
आनन्द इंसह, आई. आर. एम.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मं. बाजार गंडावाला, अमृतसर में स्थित एक दुकान
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अन्सूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981
को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मर्फ़े यह विश्वास,
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्तुल—

(1) श्री सतनाम इंसह पूत्र सोहन इंसह वासी बाजार बाग
झण्डा इंसह, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलवीर कौर पतिन जीत इंसह, वासी कठड़ा
मीत इंसह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 और किराएदार यदि
कर्षे हों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कांडे।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबृक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्षे भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रभूकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बाजार गंडा वाला में स्थित एक 2 1/2 मंजिला दुकान जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय के सेल डीड
नं. 3552/।, दिनांक 3-2-81 में दर्ज है।

आनन्द इंसह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, 3-चन्द्रपुरी टोलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 30-9-81
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निवेश स. राज./महा.आ.अर्जन/1096—यत मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 274 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुचूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख
6 फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
प्रतीती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निर्मांजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

(1) श्रीमती बन्ल विधवा श्री कल्लाराम और्हरी, प्लाट
नं. 274 सैक्टर ए, मसूरिया जोधपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री स्वरूप मंसाली पत्र कन्दनराज मंसाली, नि.
मरदारपुरा वर्तमान निवासी उदयपुर।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काश्च भी माक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मनुसूची

आवासीय एक मंजिला मकान, प्लाट नं. 274 सैक्टर ए
मसूरिया, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर इकारा कम संख्या
197 दिनांक 6-2-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 21-10-81

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निदेश सं. ए.एस आर/81-82/235—यतः मुझे,
आनन्द पंसह, आई. आर. एस.आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी में एक भूमि का टुकड़ा कनेडी एवन्यू, अमृतसर
में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें, दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाणी या परिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ रुप किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्ता हूँ—

(1) चेयरमैन, इम्प्रूवमेंट इस्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री दियाल पंसह पूत्र हरनाम पंसह, राही मुख्तार
आम, श्री हरनाम पंसह, पूत्र जोध पंसह, वासी 24-
कलेडी एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिक्ती)

(3) जैसा कि ऊपर सं. 2 और किराएवार यदि
कोई हो है।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्त है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
द्वादश में ममात्प होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।**अनुसूची**1030 वर्ग भीटर भूमि का एक टुकड़ा कनेडी एवन्यू में स्थित
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय के सेल
डीड नं. 3427/। दिनांक 12-2-81 में दर्ज है।

आनन्द पंसह
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेज, 3-चन्द्रपुरी टोलर रोड, अमृतसर

तारीख : 30-9-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

निवेश सं. ए.एस आर/81-82/236—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एक प्रापटी किला भंगीओं में है जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाधवध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारा अन्तरिती में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्यास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविद्या के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विठ्ठल कौलवन्त सिंह, कौलवन्त
सिंह पूत्र गुरुबचन सिंह, वासी 31-कास रोड,
बम्बई (बम्बई)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला पत्नी विहारी लाल, वासी गली
ठाकुरद्वारा किला भंगीआ, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त सं. नं. 2 और किराएशार यदि
कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृध्दि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृध्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्रापिटि नं. 1699/VIII -16 जो कि नवां वेहड़ा,
कुबी बेरी किला भंगीओं अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं.
3442 दिनांक 16-2-81 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3-चन्दपुरी टलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 3 10 81

सील :

प्रख्या आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

निदेश सं. ए प्र आर/81-82/237—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्राप्टिटॉ जिला भंगीओं में है जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अन्सूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1981
के पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लियाने से
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:--

(1) श्रीमती नरिन्द्र कौर जानकी पत्नी भगत सिंह
वासी ढेलही, कलदत्ता प्रिंसिपल पूर्व ग्रन्वन निसह
वासी 31-काम रोड बम्बे (बम्बहड़ी)।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीलावती पत्नी भगवान दास और श्रीमती
राज कमारी पत्नी संत पाल वासी कुचा ठाकुर द्वारा
किला भंगीओं, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 और किराएवार यदि
कोई है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमृतसरी

एक प्राप्टिटॉ नं. 1699/ VIII -16 जो कि नवा घड़ा,
क्षेत्री बेरी किला भंगीओं अमृतसर ने जैसा कि सेल डीड नं.
3443 दिनांक 16-2-81 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में
वर्ज है।

आनन्द सिंह
सम्पत्ति प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-10-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई• डी• एन• एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई.ए.इनकमटैक्स एक्वीजीशन
वन्दावन, गंगानगर, यूनीट-6

भुवनेश्वर, दिनांक 23 अगस्त 1981

निम्नों म. 1/81-82/आई.ए.सि.ए/आर/भवनेश्वर—अतः, मुझे, पी. के. मिश्र,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी स. 1038 है, जो मो. तरला में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से उपाधि उहों दिया गया है:-

- (1) श्री परमानन्द राहुल पिता-बृद्धावन राहुल।
(अन्तरक)
(2) ड्रामपोट¹ कारपोरेशन अब इण्डिया लि. बॉच आफिस भोला माहिं कटक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए रायंवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी घाशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकृती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मृगूची

मैंने तरला, थाना दाना जमिन परिया ए 1-86 जि. कटक।

पि. के. मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भुवनेश्वर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 23rd September 1981

No. A. 32013/1/81-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an ad hoc basis for the period shown against each:—

Sl. No.	Name	Period
S/Shri		
1. Y. R. Gandhi	w.e.f.	26-5-81 to 25-8-81
2. Vaid Parkash	w.e.f.	26-5-81 to 31-7-81
3. B. K. Bhattacharya	w.e.f.	16-6-81 to 15-9-81
4. S. K. Mishra	w.e.f.	29-6-81 to 28-9-81
	H. C. JATAV,	
	Joint Secy.	
	Union Public Service Commission	

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th October 1981

CORRIGENDUM

No. A.35018/15/79-Ad.J.—In the Notification of even number dated 18th July 1981 the word 'forenoon' indicated in the sixth line may please be read as 'afternoon'.

The 29th October, 1981

No. P. VII-5/81-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion the following Medical Officers (GDO, Gd-II, Dy. SP/ Coy. Comdr.) as G.D.O. Gd-I (Assistant Comdt.) in the CRPF until further orders. Their postings and the dates of handing/taking over charge are noted against each:—

Sl. No.	Name	Rank and unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank and unit of taking over charge	Date of taking over charge
1. Dr. K.D. Sarangi	GDO; Gd. II BH. II Hyd.	22-8-81 (AN)	GDO; Gd-I BH. II Hyd	22-8-81 (AN)	
2. Dr. S.N. Das	GDO, Gd. II 7th Bn.	12-9-81 (AN)	GDO, Gd. I GC-Gty.	17-9-81 (FN)	
3. Dr. P.C. Sahu	GDO, Gd. II 62 Bn.	28-8-81 (FN)	GDO, Gd-I GC-DPR.	29-8-81 (AN)	
4. Dr. S.R. Das	GDO, GD-II BH-I New Delhi	3-9-81 (AN)	GDO; Gd-I GC-BTB (Jammu)	7-9-81 (FN)	
5. Dr. P.C. Dhir Samanta.	GDO; Gd. II 22 Bn.	7-9-81 (FN)	GDO; Gd-I GC-PR.	22-9-81 (FN)	
6. Dr. K.C. Parida	GDO; Gd. II GC-HMH	24-8-81 (FN)	GDO; Gd-I GC-HMH	24-8-81 (FN)	

2. The promotion of Doctors P.C. Dhir Samanta and K.C. Parida is on temporary basis against leave vacancies.

The 31st October 1981

No. O.II-1605/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Binode Kumar Gogoi as General Duty Officer Grade II (Dy.SP/Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from forenoon of 1st October 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 31st October 1981

No. 10/20/79-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Dr. S. Boopathy, a Senior Technical Assistant (Language) in the office of the Registrar General, India (Language Division), Calcutta, as Linguist in the same office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from 16-336GI/81

The 30th October 1981

No. A-19021/8/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Smt. Kanchan C. Bhattacharya, IPS (UP-1973) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 12th October 1981.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)

New Delhi-110022, the 24th October 1981

No. F.2/6/81-Estt-CRPF.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Subba Rao, Commandant Group Centre, Gandhi Nagar as Commandant 68 Bn CRPF w.e.f. 1-10-80 to 31-1-81 and from 1-3-81 to 22-3-81 in addition to his own duties as Commandant Group Centre, CRPF, Gandhi Nagar.

No. F.2/6/81-Estt-CRPF.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Singh, Commandant, Group Centre, CRPF, Neemuch as Commandant 65th Bn CRPF w.e.f. 1st October 1980 to 20th March 1981, in addition to his own duties as Commandant Group Centre, CRPF, Neemuch.

No. O.II-1578/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Singh as Junior Medical Officer in the CRPF Force on *ad-hoc* basis with effect from 1-9-81 (AN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The afternoons of the 26th September 1981, until further orders.

2. The headquarters of Dr. Boopathy will be at Calcutta.

No. 11/75/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 26th November 1980, the President is pleased to appoint Shri S. K. Gandhe, an officer belonging to Grade II of the I.E.S., as Director of Census Operations for two Union Territories of Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli, on *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February 1982 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarter of Shri Gandhe will be at Panaji.

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Sinha, an Officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna by transfer on deputation on *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 9th September

1981 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sinha will be at Bhagalpur.

No. 11/32/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri R. S. Pandey, Investigator in the office of the Director of Census Operation Uttar Pradesh, Lucknow, as Assistant Director of Census Operation (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 7th September 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next-higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any

time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

3. The headquarter of Shri Pandey will be at Lucknow.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

SARDAR VALJABHBHAI PATEJ

NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 12th October 1981

No. 15011/3/79-Estt.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Anil Kumar Saxena, is appointed as Reader in Teaching Methodology (Group 'B'—Gazetted post) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad in a temporary capacity, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 and other allowances, as admissible under the Central Government rules, with effect from 11th September 1981 F.N. and until further orders.

B. K. ROY,
Director

INDIA AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 26th October 1981

No. CA. I/106-81—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commr) has been pleased to promote the following Section Officers (C) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of SO(C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of promotion as AO(C)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. Rajinder Kumar	.	C.A.G. of India, New Delhi.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Dehradun.	29-7-81
2. Gourangalal Mukherjee	.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial (Coal), Calcutta	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit (Coal) Calcutta	8-7-81
3. Niranjan Chakraborty	.	Do.	Accountant General II, West Bengal, Calcutta.	9-7-81
4. Surya Kant Sadavarti	.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Dehradun.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi.	29-7-81
5. T.K. Chellappa	.	Accountant General (C) Tamil Nadu, Madras.	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	23-7-81
6. Jagdish Prasad Gupta	.	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bombay	24-8-81
7. Yogesh Kumar Aggarwal	.	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi.	31-7-81
8. Kailash Chandra Gupta	.	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Member, Audit Board & Ex Officio Director of Commercial Audit, Bombay.	24-8-81

M.A. SOMESWARA RAO, Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd October 1981

No. O.E.I/PF-PDA/284.—Shri P. D. Ahuja (01/0139) Permanent Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, M.P. will retire from Government service with effect from 31st October 1981 afternoon on attaining the age of Superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 30th October 1981

No. Admn. I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri S. Madhava Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri V. Lakshmi Narayana Prabhu a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri M. Gopala Raju a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri K. Vittal a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date of Proforma Promotion which is to be fixed until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri C. Badananda Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri V. Rama Swamy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th October 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri M. A. Zuberi a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri D. Prasada Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—100—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri K. Veerabhadraiah a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to

officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri K. R. K. Sarma a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri M. Srirama Sarma a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General—I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri D. V. Ramakoteswara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

R HARIHARAN
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS AND TELEGRAPHHS

Delhi-110054, the 26th September 1981

No. Admn.III-351/23(A)(2).—The Director of Audit Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint Shri T. S. Srinivasan, Section Officer of Hyderabad Branch Audit Office as officiating Audit Officer and to post him as Resident Audit Officer, G.M.T., Kanpur under the administrative control of Dy Director of Audit, P&T Audit Office, Lucknow with effect from 12th August 1981 forenoon until further orders.

The promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

K. K. THAPAR
Asstt Director of Audit (H. Qrs.)

SOUTH EASTERN RAILWAY OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

Calcutta-700043, the 30th October 1981

No. Admn.I/33-2A/75/75/3133.—Shri Bani Kantha Mishra, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Director of Audit, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from forenoon of the 31st October 1981 until further orders.

Sd. ILLEGIBLE
Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 26th October 1981

No. AN-II/2603/81-I.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each:—

Sl. No.	Name	Organisation where serving	Date of effect
1	2	3	4
S/Shri			
1. T.K. Mahalingam	.	Controller General of Defence Accounts, New Delhi.	1-1-80
2. Brij Raj Sehgal	.	Controller of Accounts (Factories) Calcutta	1-4-81
3. Shiv Charan Singh	.	ORs (North) Meerut	1-1-80
4. Manohar Lal Verma	.	Central Command, Meerut	1-4-81
5. Ram Chand Malhotra	.	ORs (North) Meerut	"
6. J. P. Kaushik	.	Central Command, Meerut	"
7. Surinder Nath Sharma	.	Northern Command, Jammu	"
8. B.P. Bhattacharyya	.	Factories, Calcutta	"
9. Rajendra Singh	.	Western Command, Meerut	"
10. L.K. Godbole	.	Officers, Pune	"
11. N. Niuz Ahmed	.	ORs (South) Madras	"
12. G. Kalyana Sundaram	.	Do.	"
13. L.V. Verghese	.	Air Force, Dehradun	"
14. Amrit Lal Malhotra	.	Western Command, Meerut	"
15. Om Prakash Kapoor	.	Northern Command, Jammu	"
16. V. Ramachandran-III	.	ORs (South) Madras	"
17. Padam Sain	.	Air force, Dehradun	"
18. Anand Wardhan Oberoi	.	Central Command, Meerut	"
19. A.S. Nagarjan	.	ORs (South) Madras	"
20. B.K. Chatterjee	.	Factories, Calcutta	"
21. Krishan Lal Bhandari	.	Central Command, Meerut	"
22. T.V. Radhakrishnan	.	ORs (North) Meerut	"
23. Iqbal Rai Jaidka	.	Central Command, Meerut	"
24. V.S. Kulkarni	.	Southern Command, Poona	"
25. R.K. Tiwari	.	Patna	"
26. T. Sundararaman	.	Navy Accounts, Bombay	"
27. Dasarath Gorawara	.	Pensions, Allahabad	"
28. M. Veeraraghavalu	.	ORs (North) Meerut	"
29. Sham Lal Narang	.	Factories, Calcutta	"
30. Ram Prakash	.	Pensions, Allahabad	"
31. A.P. Hemachandran	.	Factories, Calcutta	"
32. K.V. Mali	.	Navy Accounts, Bombay	"
33. Mohan Chandra Bhat	.	Patna	"
34. Yograj Oberoi	.	Central Command, Meerut	"
35. Raj Kumar Sud	.	Western Command, Meerut	"
36. R. Krishnan	.	Factories, Calcutta	"
37. R.B. Kulkarni	.	Officers, Poona	"
38. Suraj Prakash Anand	.	Western Command, Meerut	"
39. U.B. Khattar	.	ORs (North) Meerut	"
40. V.M. Pandav	.	Southern Command, Poona	"
41. Kulwant Singh Bakshi	.	Air Force, Dehradun	"
42. L.R. Rajamani	.	Do	"
43. Naresh Prasad Jain	.	Funds Meerut	"
44. P.K. Mohandas	.	Navy Accounts, Bombay	"
45. A. Narayana Char	.	Southern Command, Poona	"
46. Tek Chand Dewal	.	Northern Command, Jammu	"
47. M.K. Wokhlu	.	ORs (North) Meerut	"
48. Anoop Singh Verma	.	Factories, Calcutta	"
49. V.K. Ramapriyan	.	Southern Command, Poona	"
50. M. L. Dhingra	.	Air Force, Dehradun	"
51. Devlatram Sethi	.	Western Command, Meerut	"
52. Dev Sarup Sethi	.	Navy Accounts, Bombay	"
53. R.S. Vohra	.	Western Command, Meerut	"
54. K.A. Kumara Swamy	.	Southern Command, Poona	"
55. Om Kumar	.	ORs (Northern) Meerut	"
56. Shiv Nath Rai Sharma	.	Do	"

1	2	3	4	5
S/Shri				
57. Raj Kumar Sharma	.	ORs (Northern) Meerut		1-4-81
58. R. Sankaranarayanan	.	Air Force, Dehradun	,	
59. R. Srinivasan	.	Southern Command, Poona	„	
60. Vishwanath	.	Pensions Allahabād	„	
61. Raghbir Singh	.	Patna	„	
62. T.S. Narayanan	.	Factories, Calcutta	„	
63. V.N. Jayaraman	.	Officers, Poona	„	
64. A.K. Dutta	.	Pensions, Allahabad.	„	
65. Goverdhan Lal Bali	.	Western Command, Meerut	„	
66. K. Seshadri	.	ORs (South) Madras	„	
67. N.R. Nimkar	.	Officers, Poona	„	
68. Sohan Lal Vig	.	Northern Command, Jammu	„	
69. Naval Kishore Agarwal	.	Central Command Meerut	„	
70. Biswanath Banerjee	.	Factories Calcutta	„	
71. R. Santhanakrishnan	.	Patna	„	
72. T. Vithal Rao	.	ORs (South), Madras	„	
73. Dharamendra Singh Garg	.	ORs (North), Meerut	„	
74. Sohan Lal Nanda	.	Western Command, Meerut	„	
75. M. Ramakrishna	.	ORs (South) Madras	„	
76. Avinash Chand Khanna	.	Northern Command, Jammu	„	
77. A. Srinivasan	.	Officers, Poona	„	
78. Sukumar Ganguli	.	ORs (North) Meerut	„	
79. T. Venkatachalapathi	.	Factories, Calcutta	„	
80. Mohan Lal Angra	.	Air Force, Dehradun	„	
81. A. Gnanadesikan	.	Southern Command, Poona	„	
82. K.V. Krishnamurthy	.	Do.	„	
83. Chaman Lal	.	Western Command, Meerut	„	
84. K. L. Bhardwaj	.	ORs (North) Meerut	„	
85. G. Ramamurtty	.	Officer, Poona	„	
86. Manohar Singh	.	ORs (North) Meerut	„	
87. D.C. Mukherjee	.	Patna	„	
88. M. Venkataraman	.	Do.	„	
89. P.N.S. Raghavan	.	ORs (South) Madras	„	
90. Sukh Dayal Grover	.	Central Command Meerut	„	
91. Hardev Singh	.	Pensions, Allahabad	„	
92. Mohan Lal Behl	.	Western Command, Meerut	„	
93. Ajit Kumar Roy	.	Factories, Calcutta	„	
94. M.C. Sarbagga	.	Do.	„	
95. K.D. Sahay	.	Patna	„	
96. Shiv Charan Lal Segar	.	Air Force Dehradun	„	
97. Paras Ram Latta	.	ORs (North) Meerut	„	
98. G.E. Krishnamurthy	.	ORs (South) Madras	„	
99. Kailash Chandra Gupta	.	Pensions, Allahabad	„	
100. Sri Ram Katyal	.	Factories, Calcutta	„	
101. M.S. Prabhu	.	Southern Command, Poona	„	
102. Vidya Sagar	.	Factories Calcutta	„	
103. Bansraj Jain	.	ORs (North) Meerut	„	
104. Vishnu Kumar Srivastava	.	Factories, Calcutta	„	
105. Azmatullah Khan	.	Patna	„	
106. M.N. Venkatesan	.	Navy Accounts, Bombay	„	
107. A.R. Lazarado	.	Factories, Calcutta	„	
108. T.K. Rajappan Nair	.	Officers, Poona	„	
109. K. Sarangaratnam	.	ORs (South) Madras	„	
110. Laxmi Narain Singh	.	ORs (North) Meerut	„	
111. Sada Sukh Verma	.	Pensions, Allahabad	„	
112. N. Govinda Rao	.	Factories, Calcutta.	„	
113. T.R. Sampath	.	Officers, Poona	„	
114. M.S. Viswanathan	.	Factories, Poona	„	
115. Sushil Kumar	.	Patna	„	
116. Jaswant Rai	.	Northern Command, Jammu	„	
117. M. P. Gupta	.	ORs (North) Meerut	„	
118. A.K. Chakraborty	.	Patna	„	
119. J.K. Sharma	.	Air Force Dehradun	„	

1	2	3	4
S/Shri			
120. Shanti Kumar Jain		ORs (North) Meerut	1-4-'81
121. Gorla Arjun		Navy Accounts, Bombay	"
122. H. K. Prahalada Rao		Southern Command, Poone	"
123. Sohan Lal Kumar		Patna	"
124. Sat Pal Sethi		Pensions, Allahabad	"
125. Ramnath		Factories, Calcutta	"
126. Shri Krishan Kumar Goel		Factories, Calcutta	"

A. K. GHOSH
Dy. Controller of Defence Accounts (Proj.)

**MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS**

New Delhi, the 24th September 1981

No. A-32013/9/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 25th February, 1981 and until further orders Shri Prabir Das Gupta, permanent Art Designer as Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers Service Centre under this organisation.

The 14th October 1981

No. A-32013/8/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 24th August 1981 and until further orders Shri S. K. Sarkar, Technical Superintendent as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Meerut.

P. SHANKAR
Additional Development Commissioner for Handlooms

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS
& FATS**

New Delhi-110019, the 31st October 1981

No. A-12011/5/78-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 11th February 1981, Shri A. K. Bhardwaj, officiating Chemist in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats is allowed to continue in the post of Inspector (Vanaspati), Ahmedabad in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 on purely temporary and ad hoc basis with effect from 3rd July 1981 to 27th December, 1981 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

P. S. CHHEEMA, Chief Director

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS**

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th October 1981

No. A-1/1(1182)/81.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri K. M. Rajan, J.F.O. to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 19-10-81 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri K. M. Rajan as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

The 29th October 1981

No. A-1/1(1180)/81.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri M. S. Murthy, Superintendent in the office of the Director of Supplies and Dispo-

sals, Bombay to officiate on Local and ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office with effect from the afternoon of 5th September, 1981 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Murthy as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)**

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-16, the 4th September 1981

No. 5506B/A-32013(AO)/78/19A.—Shri Jameel Ahmed, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26-6-1981 against the leave vacancy of Shri K. Rangachari, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India.

The 29th October 1981

No. 6952B/A-19012(2-SSY)/81-19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophy.), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/-in officiating capacities w. e. f. the forenoon 25-7-81, until further orders.

1. Shri Shiv Shankar Yadav.
2. Shri Rajeshwar Nath Kapoor.
3. Shri Sheo Ram Prasad.

V. S. KRISHNASWAMY, Dir. General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th October 1981

No. A-19011(46)/70-Estt.A.—On the expiry of the deputation as Mineral Exploitation Adviser to the Government of Afghanistan, Shri T. K. Basu, has reverted back to the Indian Bureau of Mines and assumed charge of the post of Deputy Controller of Mines with effect from the forenoon of 17-12-80.

No. A-19011(34), Estt.A/75.—Consequent to the acceptance of retirement on superannuation from the afternoon of 31st, August, 1981 by the Ministry vide letter No. A.44018/138/80-MVI, dated 15-9-81 in respect of Shri B. J. Kondkar, Mineral Economist (Stat.) in Indian Bureau of Mines a confirmed grade III ISS officer, his name is struck off from the strength of this department with effect from 31-8-1981 (AN).

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st October 1981

No. A-32013/1/80-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. P. Singh, Senior Administrative Officer, Upgrah Doordarshan Kendra, New Delhi to officiate in an ad-hoc capacity in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi from the forenoon of September 29, 1981.

The 22nd October 1981

No. 2/5/68-SII(Vol. II).—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. D. Achari, Accountant, Central Sales Union, Bombay, All India Radio, to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Panaji with effect from 7-10-81 (F.N.) until further orders.

The 30th October 1981

No. 3/32/69-S II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri R. Loganandan, Administrative Officer, All India Radio, Avadi-Madras to officiate as Senior Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 30-9-81

H. N. BISWAS,
Dy. Dir. Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 24th October 1981

No. A.12025/2/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri A. Madurai Muthu as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 19th October, 1981, until further orders.

J. R. LIKHI,
Dy. Dir. (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th October 1981

No. A.12025/8/77(JIP)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. R. Rajan relinquished charge of the post of Assistant Professor of Biochemistry in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, on the afternoon of the 31st August, 1981.

No. A.12025/16/80(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Srivastava to the post of Assistant Secretary (Indian Pharmacopoeia Committee) Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th October, 1981 until further orders.

2. Consequent upon appointment of Shri A. K. Srivastava as Assistant Secretary (I.P.C.), Shri P. K. Guha stands reverted as Assistant Depot Manager, Medical Stores Depot, Madras with effect from the 6th October, 1981 (afternoon).

S. L. KUTHIALA,
Dy. Dir. Admn. (O & M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th October 1981

No. A-19023/13/78-A. III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Sr. Marketing Officer (Group II) in this Directorate, Shri Jaman Lal handed over charge of the post of Marketing Officer (Group II) at Jamnagar in the afternoon of 23-9-1981.

No. A-19023/6/81-A. III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri R. K. Vyaghra who has been officiating as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nasik Road on ad hoc basis w.e.f. 28-2-1981

(F.N.) is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 26-9-1981 at the same station until further orders.

The 30th October 1981

No. A-35014/2/78-A. III.—The deputation of Shri R. Subramanyam, Marketing Officer of this Directorate with A & N Admn., in the Directorate of Agriculture, Port Blair, is extended for one year w.e.f. 18-9-1981 on the existing terms and conditions of deputation.

The 31st October 1981

No. A-19025/53/81-A. III.—The under mentioned persons have been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officers (Group I) in this Directorate w.e.f. the date shown against each :—

1. Shri Viveka Gayasen—28-9-1981 (F.N.)
2. Shri Ghulam Mohammad Rabbani—30-9-1981 (F.N.)
3. Shri Lokesh Kumar—30-9-1981 (F.N.)
4. Shri Dina Nath Srivastava—1-10-1981 (F.N.)
5. Shri Ashok Kumar Garg—1-10-1981 (F.N.)

The 2nd November 1981

No. A-19023/13/81-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri M. Kuralnathan, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Abohar w.e.f. 3-10-1981 (F.N.), until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Kuralnathan relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 1-10-1981.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Bhabha ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 15th October 1981

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Abdul Karim Mohiuddin Naik, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an ad hoc basis for the period from 17-8-81 to 3-10-81 (AN).

The 17th October 1981

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vitthal Ramchandra Shirole, Assistant Security Officer (SG) to officiate as Security Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an ad hoc basis for the period from 4-9-81 to 7-10-81 (AN).

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 29th October 1981

No. AMD-8/1/81-Recrt.—Director Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, Permanent Upper Division Clerk and Offg. Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division with effect from 22-8-1981 to 24-11-1981 vice Shri D. S. Isani, Assistant Accounts Officer, promoted as Accounts Officer-II.

No. AMD-8/1/81-Recrt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri D. S. Isani, Permanent Accountant and Officiating Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer-II in the same Division with effect from 22-8-1981 to 24-11-1981 vice Shri K. P. Sekharia, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

**DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION**

Bangalore-560 009, the 29th October 1981

No. 3/2/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri A. S. R. Nair, an officiating Assistant Administrative Officer as Assistant Administrative Officer in a substantive capacity in the Civil Engineering Division of the Department of Space with effect from the forenoon of June 30, 1977.

MPR PANICKER
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 30th October 1981

No. E(I)00674.—Dr. A. S. Ramanathan, Deputy Director General of Meteorology (Hydrometeorology) Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, retired voluntarily from the Government service with effect from the forenoon of 1-10-1981.

K. MUKHERJEE
Metcorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

New Delhi-3, the 26th October 1981

No. A. 31013(iv)/I/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Varma in a substantive capacity as Hindi Officer in the India Meteorological Department with effect from 1-3-1978

2. Shri Varma is at present on deputation to the Post & Telegraph Directorate as Senior Hindi Officer.

S. K. DAS
Addl. Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd October 1981

No. A-38013/1/81-EA.—Shri Sotanter Lal Aerodrome Officer Office of the Regional Director, Bombay retired from Government services on the 30-9-1981 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
For Director General of Civil Aviation

The 24th September 1981

No. A. 32014/1/80-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Delhi Airport, Delhi.

So No.	Name	Date
1.	Shri K. N. Mehta	20-8-81
2.	Shri Belwant Rai	20-8-81

New Delhi, the 17th October 1981

No. A-19011/38/80-E.I.—The President is pleased to retire Sh. B. S. Rao DY. Director (Flight Crew Standard) in the Office of the Director General of Civil Aviation with effect from 30-9-81 (A.N.) under F.R. 56 (K)

The 20th October 1981

No. A.32013/3/76.EA.—The President has been pleased to grant notional promotion to Shri A. K. Sinha, to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department with effect from 27-2-1977 and until orders.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 26th October 1981

No. A. 38015/12/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri Prem Kumar, Assistant Tech. Officer, Office of Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi to retire from Govt. service w.e.f. 20-9-91 (AN) under the Rule 48(A) of the CCS (Pension) Rules, 1972.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 28th October 1981

No. A.32013/2/79-EW.—The President is pleased to appoint Shri N. Gopal, Assistant Director of Equipment (officiating as Deputy Director of Equipment on ad-hoc basis) to the grade of Deputy Director of Equipment in the Scale of pay of Rs. 1500—60—1800 with effect from 28th August, 1981 (FN), on a regular basis and until further orders.

2. Shri N. Gopal is posted at Director General of Civil Aviation, Headquarters, New Delhi.

The 31st October 1981

No. A.32013/4/81-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Electrical & Mechanical Officer to the grade of Assistant Director of Equipment in the pay scale of Rs. 1100—50—1600 in the Civil Aviation Department with effect from 26-9-1981 (Forenoon) on an ad-hoc basis for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

2. Shri L. C. Gupta is posted at office of the Regional Director, Bombay.

E. L. TRESSLOR,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 30th October 1981

No. A.12025/1/79-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mangi Lal, as Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in the scale of Rs. 700—1300 in an officiating capacity with effect from 12-10-1981 & until further orders.

The 31st October 1981

No. A.12025/8/77-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ghanshyam Das as Air Safety Officer (Engg) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 29th September, 1981 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

No. A.38015/2/80-ES.—Shri N. S. Baxi, Store Officer (Group 'B' post) in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th September, 1981, on attaining the age of superannuation.

No. A.32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of Shri R. G. Shinde, Superintendent, as Administrative Officer upto 31-3-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

J. C. GARG,
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF ENERGY

(DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 28th October 1981

No. P.8(25)/67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints S/Shri O. Mahadevpathi, Adviser (P&IR) Coal India Ltd., Calcutta and V. Manohar,

Director (P) Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad as members of the Finance Sub-Committee constituted in the Notification No. P.8(25)/67 dated 23-12-1975 and subsequently amended vide notification dated 14-4-1981 *vive Shri S. Roy, Chief Controller of Accounts, Eastern Coalfield Ltd.* Disergarh resigned and Shri S. K. Choudhury, General Manager (P) Bharat Coking Coal Ltd. Dhanbad and makes the following amendment in the said notification viz.—

For the entry "Sl. Nos. 2 & 3 Shri S. Roy, Chief Controller of Accounts, Eastern Coalfields Ltd., Disergarh and Shri S. K. Choudhury (P) Bharat Coking Coal Ltd. Dhanbad" the entry "Sl. Nos. 2 & 3 Shri O. Maheepathi, Adviser (P&IR) Coal-India Ltd. Calcutta and Shri V. Manohar, Director (P) Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad shall be substituted.

D. PANDA,
Commissioner

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 21st October, 1981

No.A-19012/963/81-E.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

S. Name of officer No. with designation	Date of assumption posted of charges as E.A.D./A.E.
S/Shri 1. S.P. Garg, Design Assistant	10-7-81 (FN) P&P Dte.
2. S.R. Sarkar, Supervisor	9-9-81 (FN) H.C.D. II Dte.
3. S.K. Mukherjee, Supervisor	21-9-81 (FN) E.P.D.D.-I direc- torate

The 26th October 1981

No. A-19012/933/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. N. Roy, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 29th September, 1981.

No. A-19012/953/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. B. Dey, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 12th October, 1981.

No. A-19012/960/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Dhananjay Datta, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 1st October, 1981.

The 29th October 1981

No. A-19012/897/81-Estt.V.—Chairman, CWC hereby appoints Shri A. K. Chakraborty, Supervisor to officiate in the

grade of E.A.D./A.E. (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 17-3-81.

No. A-19012/962/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. M. Sen Sarma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 26th September, 1981.

No. A-19012/979/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. P. Abdurahiman, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 16th October, 1981.

A. BHATTACHARYA,
Under Secy.,
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION

Lucknow, the 23rd October 1981

No. A/EP-1648.—The resignation of Sh. I. C. Kakkar, ex. SO/EIV who held lien on the post of Stenographer Gr. II of Research Designs and Standards Organisation (Ministry of Railways), Lucknow, has been accepted wef 1-9-81 (FN).

L. F. X. FREITAS,
Director General

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES TAMIL-

NADU. MADRAS
*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ponmudi Transports Private Limited.*

Madras-600 006, the 6th November 1969

No. 4915/69.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of Ponmudi Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd. IT LEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ganga Films Private Limited.*

Madras, the 10th August 1973

No. DN/831/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ganga Films Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Nobel Sheet Metal & Fabricators Private Limited.*

Bombay, the 2nd November 1981

No. 17416/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Ms. Nobel Sheet Metal & Fabricators Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th October, 1981

Ref. No. L. C. 540/81-82—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule and situated at Thiruvamkulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripunithura on 16-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Nandakumar and Sobhana,
Thuruthimana Parambu,
Irumpanam

(Transferor)

(2) Sh. V. T. Joseph,
C/o Veeteejay Exports (P) Ltd.,
CC XVIII/014, Cochin-15.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2.48446 acres of land in Sy. No. 316/1, 317 & 315/3 of Thiruvamkulam village as per schedule attached to document No. 651/81.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-10-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri P. Sivasankaran,
D-36,
Ascetate Tower,
Mandya City,
Karnataka.

(Transferor)

(2) Sh. V. T. Joseph,
C/o Vecteejay Exports (P) Ltd.,
CC XVIII/014,
Cochin-15.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM**

Cochin-682016, the 16th October, 1981

Ref. No. L.C. 541/81-82—Whereas, I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Thiruvamkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripunithura on 16-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1.29875 acres of land with building in Sy. No. 317 & 316/1 & 2 of Thiruvamkulam village as per schedule attached to document No. 652/81.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-10-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 26th Sept., 1981

Ref. No 1183 Acq. 23-JI/81-82.—Whereas, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 1335, Wd. No. 5, Haripura, Surat situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in Februray, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nurbanu Dharamshibhai,
Jafarali Dharamshibhai,
Sultanali Dharamshibhai,
Ramzanali Dharamshibhai,
Anwar Dharamshibhai,
Salim Dharamshibhai,
B-11, Karimabad Society,
Ghad-dod Road,
Surat

(Transfertor)

(2) Smt. Shantiben wife Vasantaben Gamanlal,
Bibpinchandra Gamanlal Modi,
Nareshchandra Gamanlal Modi;
Satishchandra Gamanlal Modi;
Pankajkumar Gamanlal Modi;
Haripura Main Road, Nr. Jain Temple, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1335, Wd. No. 5, Nanpura, Kaljug Mahollo, Surat, duly registered in the month of Februray, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, II, Ahmedabad.

Date : 26-9-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 28th August, 1981

Ref. No. 11338—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17/370, 371, 372, situated at Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 577/81) in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) C. A. Kannayan,
K. Raja,
516, Trichy Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Walisa Chacko,
Mariamma Jose, 8/354,
Chettupuzha House,
Fatima Nagar,
Tiruchur-5,
Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 17/370, 371, 372 Oppanakara St., Coimbatore. (Doc. 577/81)

RADHA BALKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 28-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 15th September, 1981

Notice No. 355/81-82—Whereas I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chalta No. 162 situated at Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao Under document number 43/81, on 25-2-1981. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) (1) Shri Ramadas Govind Kamath
 (2) Smt. Kamala R. Kamath,
 C-1; Samadhan Building,
 Malbhat, Margao-Goa.

(Transferor)

- (2) M/s. Samadhan Co-Op., Housing-Society Ltd.,
 Samadhan Building,
 Malbhat, Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 43/81 Dated 25-2-1981)
 Open land measuring 750 Sqm. known as "Malabata" or "Malbhat" bearing chalta No. 162, situated at Margao.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1981
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Samadhan Coop. Housing Society Ltd.,
Samadhan Building, Malbhat,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) (1) Sri Ramadas G. Kamath,
(2) Smt. Kamala R. Kamath,
Malbhat, Margao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 15th September, 1981

Ref. No. 356/81-82—Whereas I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg. No. 1 & 3 in Samadhan Bldg., situated at Margao Goa.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao under document No. 43/81 on 25-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 43/81 Dated 25-2-81

Three shops in ground floor of the building No. 1 and a flat measuring 84.24 Sqm. in first floor of building No. 3 in Samadhan Building situated at Aquem Road, Margao.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore)

Date : 15-9-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE,

Bangalore, the 15th September, 1981

Ref. No 357/1-82—Whereas, I, Dr V N. LALITHKUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Matriz No. 808 & Chalita No. 182 situated at Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ilhas Under document number 73/81 on 16-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Antonio Jose Pereira Barros Valadres
R/o Near Syndicate Bank,
Mormugao Harbour,
Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Lucy Philomena May Lobo Gomes,
R/o Panaji,
Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 73/81]

Dt. 16-2-81]

Land measuring 700 Sqm. Known as "Casa de morada Com Seu Quintal E Horta" and building thereon bearing matriz No. 808 and chalita No. 182 situated at Panaji, Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-9-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore, the 15th September, 1981

Notice No. 358/81-82—Whereas I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-3, situated at La Campala Residential Colony, Panaji.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at it has under document number 97/8 on 24-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. Smt. Hemalata Hiralal Rayathatha
Panaji,
Goa.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakant Narcinva Vernekar alias,
Karishnakant Narcinva Poi Vernekar,
R/o Assolna,
Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 97/81 Date 24-2-1981]
Land and building bearing Plot No. D-3 of La Campala Residential Colony situated at Panaji, Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-9-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—336GI/81

FORM ITNS

(1) Smt. Renubal Das

(Transferor)

(2) Amber Properties (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd July 1981

Ref. No. 931/Acq. Rs.III/81-82/Cal.—Whereas, I, I. V. S. Juneja being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at Waterloo street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the house property being premises at 25, Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 1089 dated 17-2-1981 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 22-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 6th August 1981

Ref. No. AC-40/Acq. R-IV/Cal./81-82—Whereas, I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 940/1197 situated at Berhampore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murshidabad (Berhampore) on 12-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sarashi Bala Roy, W/o Jogendra Nath Roy of 26-Dinabandhu Berhampore., Murshidabad., Sanyal Lane, Berhampore.

(2) Smt. Santi Roy, W/o Narayan Prosad Roy, of Kadai, P. S. Berhampore., Murshidabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land -09 Dec. with building situated at 119 R. N. Tagore Road, Berhampore, Murshidabad. Deed No. 1525 of 1981,

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 6-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Santosh Kr. Mallick & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Shaukat Ali & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 15th September, 1981

Ref. No. TR-551/80-81/S587/Acq. R-I/Cal.—Whereas I,

I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 56 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in one storeyed building being premises No 56, Park Street, Calcutta-17 measuring 16 cottahs 14 chittacks 30 sq. ft. of land registered vide Deed No. I-883 in the Office of Registrar of Assurances, Calcutta on 10-2-1981.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 15-9-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th September 1981

Ref No AC-51/Acq R-IV/Cal /81-82—Whereas I,
K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. S. Kasba, Dt 24-Parganas situated at Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore, on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Suburban Agriculture Diary & Fisheries (P) Ltd.
(Transferor)
(2) Trast Fisher Development and Research Centre Board.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—4·10 satak.
Address—Mauja—Chahgaria, P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas.

Deed No. 1394 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) The Suburban Agriculture and Fisheries (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trast Fisheries Development and Research Centre Board.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref. No. AC-52/Acq. R-IV/Cal /81-82—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas situated at Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, on 11-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 4 acres 13 Satak.
Address—Mauja—Chak Garia, P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas.
Deed No. 1394 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,

Date : 30-9-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) The Suburban Agriculture Diary and Fisheries (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahatirtham

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September 1981

Ref. No. AC-53/Acq.-R-IV/Cal./81-82—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. S. Kasba Dt. 24-Parganas situated at Alipore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land—4 Acre, 13 Satak,
Address—Mauja—Chakgaria P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas.

Deed No. 1395 of 1981

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 30-9-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) The Suburban Agriculture and Fisheries (P) Ltd.,
(Transferor)
(2) Mahatirtham
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref. No. AC-54/Acq. R-IV/Cal./81-82—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas, situated at Alipore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—4 Acre, 14 Satak
Address—Mauja-Chakgaria, P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas
Deed No. 1396 of 1981

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Suburban Agriculture Diary and Fisheries (P) Ltd

(Transferee)

(2) Mukherjee Construction (P) Ltd.,
24/1, Garfa Road, Calcutta-78.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta the 30th September 1981

Ref. No. AC-55/R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. — situated at P.S. Kasba, Dist. 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alipore on 11-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land : 4 Acre, 25 satak, Address Chakgaria, P.S. Kasba, Dt 24-Pgs. Deed No 1397 of 1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd Floor),
Calcutta-700016.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—376G1-81

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th September 1981

Ref. No. AC56/R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at P.S. Kasba, Dist 24-Pgs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-2-81
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) The Suburban Agriculture Diary & Fisheries (P) Ltd.
(Transferor)
- (2) Mukherjee Construction (P) Ltd.,
241, Garfa Road.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land : 4 Acre 26 satak. Address : Mouja Chakgaria, P.S. Kasba, Dt 24-Pgs. Deed No. 1398 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1981
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref No AC/57/R IV/Cal/81-82—Whereas, I, K SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at Santragachi Dt Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 25-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh Dilip, Pradip, Sandip, Kum Kum and Bulu Mukherjee of Uttar Baxatala, Jagacha, Distt Howrah & Kajal Chakrabarty of 38, Ram Kumarpark, Cal-41 (Transferor)
(2) Shr Murari Mohan Paul,
69 C Mondal St
Calcutta-6 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lund 12 cottahs 3ch 40ft.
Address: Uttar Baxatala Santragachi, Distt Howrah
Deed No 985 of 1981

K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref. No. AC 5/R-IV/Cal./81-82—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. situate a P. S. Baranagar, Distt. 24-Pgs. (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cossipore, (Dum Dum) on 6-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kalipada Chakrabarty,
13, Nather Bagan Street,
P. S. Jorabagan

(2) M/s. Chandra Chemical Private Limited
No. P-24, C. T. T., Road,
P. S. Entally, Cal-14.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land :—28 cottahs. 8 ch. Address—Mouza Bonhoogly, P.S. Baranagar, Dist. 24-Pgs. Deed No. 950 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS

Sri Sunil Kumar Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/S. Nanda Dulal Paul & 3 others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th October 1981

Ref. No.—957/Acq/R-III/81-82.—Whereas I, I. V. S.
JUNEJAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.19/1B situated at Shyamananda Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Alipore on 20-2-81for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property at afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2 Cottahs 12 ch. more or less at 19/1B,
Shyamananda Road, Calcutta as per deed No. 815 dt. 20-2-81
registered before the S. R. Alipore, 24 Parganas.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-10-81

Seal :

FORM ITNS

M/s. Manjusa Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

Dr. Arun Kr. Seal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th October 1981

Ref. No. 955/Aca.R-III/81-82/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-15, 16, 17 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat on 4th floor (south west corner) of the multi-storied building at premises No. P-15, 16 & 17, Gariahat Road, (South) Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1981
Seal :

FORM ITNS

Sri Arun Kr. Dey

(Transferor)

Motilal Todt & ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th October 1981

Ref. No. 956/Acq-R-III/81-82/Cal.—Whereas I, J. V. S. JUNEJA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Lala Lajpat Sarani Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at 8, Lala Lajpat Sarani, Calcutta containing an area of land 17 cottahs 9 chittacks & 35 sft.

J. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 17-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

Md Rafique & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Mahabir Prasad Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA
Calcutta, the 19th October 1981

Ref. No. S-591/TR-583/80-81/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2& 2'1A situated at Hide Lane Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two storied building with land measuring 6 k. 4 ch. 12 srt. being premises No. 2 Hide Lane and land measuring 8 ch. 28 sit being 2'1A Hide Lane, Calcutta as per deed No. 1435 dt. 26-2-81 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jai Ram Sharma & others,
R/o 39/9, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shashi Gupta,
w/o Sh. Ved Prakash Gupta,
R/o 3907,
Gali Barna Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7468.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 17 situated at Vill. Sadhora Kalan, Delhi State, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on February , 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 17 Block E Vill. Sadhora Kalan Delhi, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

20—306GI/81

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-I/81-82/2-81/7404.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3 Block F situated at Kamla Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Om Vati Gupta,
W/o Sh. Ramesh Chand Gupta,
R/o No. 14 F,
Kamla Nagar,
Delhi.

(2) Smt. Narinder Kaur Chhabra,
w/o Sh. Joginder Singh Chhabra,
R/o 8/5, Singh Sabha Road,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Block F Kamla Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jugal Kishore,
w/o Krishan Lal,
R/o N/89, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Aggarwal,
s/o Sh. R. D. Aggarwal,
R/o 24/15, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New DelhiNow, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4185.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Sarup,
 s/o Chandgi & others,
 R/o Vill. Nawada,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishori Lal Batra,
 S/o L. Sh. G M. Batra,
 R/o e/o 5A-21 Janakpuri
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Nawada, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4219.— Whereas I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi at on Feb. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sushil R. Shahani,
S/o R. M. Shahani,
R/o No. 7/9 Roop Nagar,
S/Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Kumar,
S/o D. D Aggarwal,
R/o C-2/32 Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date . 19-10-1981
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Harbans Singh,
S/o Ishar Singh,
H. No. 25, Rameshwari Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. M. Bhanot,
S/o Ram Partap Bhanot,
R/o above.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7464.—Whereas I, **VIMAL VASISHT** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House on plot No. 25 situated at Rameshwari Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 25, Rameshwari Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT**Competent Authority****Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Kamal R. Shanani,
S/o R. M. Shabani,
R/o 7/9 Roop Nagar
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar,
S/o Sh. D. D. Aggarwal,
R/o C-2/32, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4220.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Ibrahimpur, Delh State, Delhi.

SMT. **VIMAL VASISHT**
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-81
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-JI, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4218.—Whereas I
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on Feb. 81 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. R. Shahani,
W/o R. M. Shahani,
R/o 7/9 Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar,
S/o D. D. Aggarwal,
R/o H-2/5, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Ibrahimpur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acc.II/SR-II/81-82/2-81/4217.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 81
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. R. Shahni,
W/o R. M. Shahni,
R/o No. 7/9 Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar,
S/o D. D. Aggarwal,
R/o H-2/5,
Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Ibrahimpur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—336GI/81

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh,
S/o Roop Ram & others
R/o Hasalatpur Khader,
Delhi State,
Delhi-

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Jain,
W/o Shyam Lal,
R/o 2/98,
Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/81-82/2-81/4234.—Whereas I, Smt VIMAL VASHIST being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land in village situated at Asalatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Feb- 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Asalatpur Khader, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7394.—Whereas I, Smt. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Prop. on plot No. 281 situated at Gilheri Bagh, Prem Nagar, Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Roshan Lal, Ashok Kumar and Krishan Kumar, S/o Perhlad Rai,
R/o 7/29,
Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chameli Devi,
W/o Ram Kumar,
R/o 7388,
Prem Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Prop. on plot No. 201, Gilheri Bagh, Prem Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Om Sarup,
S/o Chandgi & others,
R/o Vill. Nawada,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Singh,
W/o Harvinder Singh & other,
R/o 3A/143A Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4228.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land. Vill. Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/2-81/7409.—Whereas I,
SMT. VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3 situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Tilak Raj,
S/o Krishan Lal,
R/o N/89, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Aggarwal,
S/o R. D. Aggarwal,
R/o 24/15, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/2-81/7373.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. plot 15 at Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Sita Devi,
W/o L. Sh. Hans Raj Aggarwal,
R/o D-1, C.C. Colony Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pd. Gupta,
S/o Ram Gopal Gupta,
R/o H-2/3 Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15 Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Gillia Goods Carriers Pvt Ltd.,
30, Jor Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi,
W/o Dwarka Pd.
R/o 864, Katra Hittu,
Farash Khana,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/81-82/2-81/7452.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 shops situated at Mpl. No. 622-625(New), G.B. Road
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

3 shops, Mpl. No. 622-625 (New) behind G.B. Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI
New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7465.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 32 situated at Harphool Singh Sadar Thana Rd., Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-2-1981

at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sbri Shadi Lal Pandit,
S/o L. Sh. Har Pd.,
R/o 5565-66/3, S/Mandi,
Ambala City,
Haryana.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Devi Gupta,
W/o Ghansi Ram,
R/o 5663/20,
Basti Harphool Singh,
S/Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 32 Harphool Singh Sadar Thana Rd. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devi Dayal,
R/o 2074 Chah Indara Kauria Pul,
Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Kumari Aggarwal,
d/o Sukhbir Sain Aggarwal
R/o 2003, Kt Lachu Singh,
Fountain, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq II/SR-1/2-81/7434:—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2074 situated at Chah Indara, Kauria Pul Illaqa No. 4, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Delhi Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Prop. No. 2074 Chah Indara, Vauria Pul Illaqa No. 4, Delhi

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
22—336GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq.-II/SR-I/2-81/7365:—Whereas I, VIMAL VASHISTH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5489, 5490 & 5491 at Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in Feb. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sada Ram S/o Sh. Mollar Singh, R/o V & P O Harsana Kalan, Tehsil & P O Distt, Sonepat,

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Natha Singh, R/o 5491, Basti Harphool Singh, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Prop. Nos. 5489 to 5491 Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi

VIMAL VASHISTH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Kartar Singh, Mehtah Singh S/o Darya Singh,
R/o Vill Tikari Kalan,
Delhi & others

(Transferor)

(2) Shri C. S. Chawla s/o Som Raj Chawla,
R/o 9/19, old Rajinuer Nagar,
New Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq II/SR-II/81-82/2-81/4235:—Whereas I,
VIMAI, VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. Land situated at Vill Tivari Kalan, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on Feb , 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Tikari Kalan, Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq II/SR-II/81-82/2-81/4210.—Whereas VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill Sahibabad Daulat pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Singh, Rai Singh, Partap Singh and Ajit Singh sons of Sarup Singh,
R/o Vill Sahibabad Daulat Pur,
Delhi

(Transferor)

(2) Sbri Narendra Kumar Himtronka S/o Gauri Shanker
r/o 139D, Kamla Nagar,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Vill Sahibabad Daulat Pur, Delhi

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq-II/SR-II/81-82/2-81/4236:—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agri. land situated at Vill. Dikan Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Singh Ram, Jai Pal Singh, Ram Pal Singh & Suresh Singh S/o Shaniean, R/o Shahpur Jat, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Singh Chawla HUE, S/o Ram Ditta Mai, R/o D-23, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Dikan Kalan, Delhi.

SMT. **VIMAL VASISHT**,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No IAC/Acq. II/SR-I/81-82/2-81/7336:—Whereas I
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. C-28 situated at G. T. Karnal Road Vill. Bharola Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on Feb. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rattan Lal Gupta
S/o Tikka Ram Gupta
R/o B-4-A/10
Rama Partap Bagh
Delhi.

(2) Sbri Tara Chand Singhal S/o Shyam Lal
Singhal
R/o A-62/2
G. T. Karnal Road Industrial Area
Vill Bharola Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-28 Nehru Road Adarsh Nagar Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II New Delhi.

Date : 19-10-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/2-81/4254:—Whereas I
VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

No Agri land situated at 2 Bighas 9 Biswas Vill Possangipur
 Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 on Feb , 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurbinder Singh Vohra s/o Bhuninder Singh Vohra
 R/o A2/72,
 Rajouri Garden,
 New Delhi
 (Transferee)
- (2) Shri Tilak Raj s/o Chuni Lal,
 G-28/3,
 Rajouri Garden,
 N . Delhi
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agri land, 2 Bighas :9 Biswas Vill Possangipur, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No. IAC/Acq.III/SR-II/81-82/2-81/4183:—Whereas I,
VIMAL VASHIST,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No Plot No. 108 situated at Shama Pershad Mukerjee Park
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
on Feb, 1981

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Chander Mohan Vijay Mohan sons of Gundial
Manchanda,
R/o 8864, Multani Dhanda,
Pahar Ganj,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash s/o Balik Ram Sharma,
R/o H-65, Shivaji Park,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 108, S P M Park, New Delhi

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Prabhu Dayal & Suraj Bhan,
S/o Hari Singh,
R/o WZ-143/D-1,
Mahabir Nagar,
New Delhi

(Transferor)

(2) Sbri Surinder Kumar & Jagdish Chander
S/o Ganesh Dass,
R/o 10A/24,
Shanti Nagar,
Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No IAC/Acq. II/SR-II/81-82/2-81/4263;—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No Plot No 48/1 situated at Vill Nangloi Syed Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Prop Plot No. 48/1, Vill. Nangloi Syed, Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—336GI/81

Dated : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No IAC/Acq JI/SR-JI/81-82/2-81/4261—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
 No Prop. Khasra No 289 situated at Vill Nangloi Syed, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asha Ram S/o Sh. Nanu Lal,
 R/o Vill, Nangloi Syed,
 Delhi

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder s/o Nanu Lal,
 R/o 5/5, Vijay Nagar,
 New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. Khasra No. 289 Vill. Nangloi Syed, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/2-81/4262:—Whereas I

VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Prop. Khasra No. 289 situated at Vill. Nangloi Syed, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Chander S/o Gagu Mal,
 R/o Vill. Nangloi Syed,
 Delhi

(Transferor)

(2) Shri Nanu Lal S/o L Sh. Chander Bhan,
 R/o 5/5, Vijay Nagar,
 Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Prop. Khasra No. 289, Vill. Nangloi Syed, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Gomti Devi W/o Raghu Nath Parshad & others,
R/o 540, Katra Ishawar Bhawan,
Delhi

(Transferor)

(2) Smt Ram Dulari W/o Ram Kishan Dass,
1265 Rang Mahal,
Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/2-81-7475.—Whereas I, VIMAL VASHIST, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 1265 situated at Rang Mahal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 1265 Rang Mahal, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. I No. 1 A C /Acq. I/S.R.-III/2-81/4190.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

106 Plot situated at Hari Nagar Clock Tower, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kailash Kumari
w/o Babu Haveli Ram
III/138 Rattan Singh Gopinath Bazar,
Delhi Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Dhall
w/o Shri K. L. Dhall
R/o D-155,
Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 106, Hari Nagar Clock Tower, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal Dhawan
s/o Shri Jeewan Dass Dhawan
G-3, Model Town,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagat Ram
s/o Shri Sanwal Dass and
Smt. Daya Wanti
G-3, Model Town,
Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No I A C /Acq. II/S R -I/81-82/2-81/7406 —Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No G-3 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H No G-3, Model Town, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ranbir Singh Tandon
s/o B. M. Tandon
R/o House No. 4771/23, Darya Ganj,
Ansari Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kanchan Commercial Co. (P) Ltd.
143 Cotton Street,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DPLHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No I A C/Acq-II/S R.J/81-82/2-81/7438.—Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Mpl. No. 4771, situated at Bharat Ram Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 4771, Bharat Ram Road, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal

FORM I T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No I A C /Acq -II/S.R -II/81-82/2-81/4266 —Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Balwant Rai
s/o Mohan Lal
R/o J-11/2, Rajouri Garden,
New Delhi

(Transferor)

(2). Shri Sudhir Kumar Gupta
s/o Roshan Lal Gupta
R/o 12/18, Shakti Nagar,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 1, Block No -4 Rajouri Garden, New Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date 19-10-1981
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7414.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 22, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Sumitra Rani Luthra
w/o Dina Nath
& others
R/o 14/22 Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Avtar Gupta and
Shivanand Gupta
s/o Shri Narsingh Dass Gupta
R/o 11782 G. T. Road,
Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Block 14, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
24—336GI/81

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. I.A.C./Acq. II/S. R.-II/81-82/2-81/4239.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Dikan Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Singh Ram & others sons of Shri Shankar R/o Shahpur Jat, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh Chawla HUF, s/o Nand Singh Chawla r/o C-4 Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Dikan Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/81-82/2-81/7405.—Whereas as I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. K-16, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagat Ram
s/o Shri Sanwal Dass and
thers,
K-16, Mouel Town,
Delhi.

(2) Shri Krishan Lal
s/o Ram Lal
& others
R/o A-11/12 Malkaganj,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. K-16, Model Town, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Radha Rani Kapoor
w/o S. J. Kapoor,
Sec. No. 16, H. No. 222,
Faridabad (Haryana)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ranjit Singh Gujral
& others
s/o Gian Singh Gujral,
& others
R/o J-12/34, Rajouri Garden,
Vill. Tatarpur, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/81-82/2-81/4204.—Whereas I, VIMAL VASISHT, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. Plot No. J-12/34 situated at Rajouri Garden, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. J-12/34 Rajouri Garden, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19.10.1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/81-82/2-81/7407.—Whereas,
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-3, situated at G-3, Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Choudhrani Bai
W/o Sohan Lal Dhawan
G-3, Model Town,
Delhi.

(2) Shri Jagat Ram
s/o Shri Sanwal Dass
& others,
G-3, Model Town,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. G-3, Model Town Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No. J.A.C./Acq.-II/S. R.-J/81-82/2-81/7476.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

property No. 2546 situated at Mohalla Tiraha Behram Khan, Darya Ganj, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sheikh Mumtaz-ul-Arfan
s/o L. Shamsul-Arfan
R/o 2128, Ahata Kale Saheb,
Delhi
& others.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwat Pd.
s/o Lala Ram
R/o 3005, Kucha Neelkanth,
Faiz Bazar,
Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 2546, Mohalla Tirha Behram Khan, Darya Ganj, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7385.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. IX/151, situated at Gali Batashan, Chawri Bazar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi) on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ram Kali Devi
w/o L. Sh. Phool Chand
Sh. Prem Shanker
& others
sons of Shri Phool Chand
& other
R/o B-1/205, Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar,
Shri Surinder Kumar
s/o Shri Hans Raj Suri
r/o F18/16, Krishan Nagar,
New Delhi.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. IX/151, Gali Batashan, Chawri Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Moharban Singh
s/o Hari Singh
J-77, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur
w/o Shri Prithavipal Singh,
A-2/113 Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C/Acq.-II/S R.-I/81-82/2-81/7418.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. A-2/113 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. A-2/113, Rajouri Garden, New Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI!

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.I/81-82/2-81/7412.—Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4678, 4681 & 4682 situated at Mahavir Bazar, Cloth Market, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Babu Ram
S/o Kedar Nath
R/o 1547, Kucha Seth,
Dariba Kalan,
Delhi.

(2) Shri Raj Tilak
s/o Shri Mohan Lal
R/o 559/2/A, Gali Netaji,
Gandhi Nagar,
Delhi
& other.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 4678, 4681 & 4682, Mahavir Bazar, Cloth Market, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—336GI/81

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.JI/S. R.I/81-82/2-81/7408—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 22, situated at Mpl. No. 5641, 5644, Kt. Shop Anoop Singh, Nai Sarak, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Feb, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagan Nath
s/o Ram Roop
R/o 74 Todermal Road,
Delhi.(2) Shri Virender Mohan and
Rajendra Mohan
s/o L. Shri Vadév
r/o 13 Lucknow Road,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Municipal No. 5641-5644, Kt. Anoop Singh, Nai Sarak, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi.

Date : 19-10-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. II/S. R.-I/81-82/2-81/7467.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 1513 situated at G. T. Road, Ghanta Ghar, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kasturi Lal, .
Vijay Kumar
& other
sons of Kutu Ram,
R/o 5256, Kolhapur Road,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Preetam Pd. Jain
s/o Bhakshri Lal Jain
R/o 43/K, Kedar Building,
Ghanta Ghar,
S/Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 1513, G. T. Road, Ghanta Ghar, Subzi Mandi, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DEWHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. II/S. R.-I/81-82/2-81/7466.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 Shops situated at Near Ghanta Ghar, Subzi Mandi G.T. Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Sarup,
Kasturi Lal,
Kashmiri Lal
Vijay Kumar
and Mulkh Raj
ss/o Shri Kotu Ram,
r/o 5256, Kolhapur House,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Kumar Jain
s/o Ram Sarup
R/o 5215, Kolhapur Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6 Shops Near Ghanta Ghar, Subzi Mandi Road, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7439.—Whereas
I VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 1747, situated at Chira Khana, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Rang Bahadur
s/o Shiv Sahai
& others
R/o 1747, Chira Khana,
Delhi
& others.

(2) Shri Ram Saran,
Rakesh Kumar,
Vijender Kumar,
Jugal Kishore,
R/o 6/33, W. E. A. Karol Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 1747, Chira Khana, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4205.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Surat Singh
s/o Chhotey
R/o Village Alipur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Goel
w/o Shri Suresh Chand Goel
R/o BS/8, Rana Partap Bagh,
Delhi.

(Transferee)

S

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surat Singh
s/o Chhotey
R/o Vill. Alipur
Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Brahma Devi
w/o Shri Pokharmal
R/o BS/8, Rana Partap Bagh,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4256.—Whereas

I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi./New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4227.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plant No. G-100 situated at Fateh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rukman Kaur,
w/o S. Assa Singh
through her G.A.S. Tarlochan Singh Lamba
S/o S. Ram Singh Fateh Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kuljit Kaur
w/o Tarbir Singh
R/o G-139, 'G' Block,
Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-100, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Kishan
s/o Jawala Parshad
R/o 191 S-16, Lal Kuan,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar
& other
ss/o Lal Chand
R/o Gali Batashan,
Khari Baoli,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/81-82/2-81/7469.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 6203, situated at Kucha Shive Mandi, Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

H. No. 6203 Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—336GI/81

FORM ITNS

(1) Shri Khub Ram and
Ram Dayal
sons of Jai Ram
R/o Village Nangloi Sakrawti,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj Singh
s/o L. S. Baru
s/o Baru Singh
R/o 34/42 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4246.—Whereas,

I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Nangloi Sakruti, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Nangloi Sakruti Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 23-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Khub
Ram Dayal
sons of Jai Ram
R/o Village Nangloi Sakrawati
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarbjit Singh
S/o Des Raj Singh
R/o 34/42 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4249.—Whereas
I VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Nangloi Sakrwti Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Nangloi Sakrwti Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 23-10-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.IV/81-82/2-81/4252
 F—Whereas I, VIMAL VASHISHT being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-71 & 72 situated at Fateh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Qadrat Singh Sethi
 S/o Shri Kartar Singh Sethi
 R/o A-15/27, Vasant Vihar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh
 S/o Shri Kartar Singh
 R/o 145, Partap Nagar,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. B-71 & 72, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. II/S.R./I/81-82/2-81/7391.—Whereas,

I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7823, situated at Roshanara Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Partap Singh
s/o Ganda Singh
R/o 9/7, South Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Kaur
w/o Mangal Singh
R/o 7823, Roshan Ara Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 7823, Roshanara Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/81-82/2-81/4238.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Dikan Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Singh Ram,
Jai Pal Singh and
Ram Pal Singh and
Suresh Singh
s/o Shankar
R/o Villag Shahpur Jat,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh Chawla HUF,
s/o Nand Singh
R/o C-4, Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Dikan Kalan, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi*

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4248.—Whereas
 I, VIMAL VASHISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the said Act), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Nangloi Sakrawati,
 Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Shri Khub Ram and
 Ram Dayal
 sons of Jai Ram
 R/o Village Nangloi Sakrawati,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amritpal Singh
 s/o Des Raj Singh
 R/o 34/42 Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax
 Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Nangli Sakrawati Delhi State.

SMT. VIMAL VASHISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/2-81/4237.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dichan Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Singh Ram,
Jai Pal Singh,
Ram Pal Singh and
Suresh Singh
s/o Hankar
R/o Shahpur Jat,
Delhi.

(2) Sh Kirpal Singh Chawla HUF
s/o Partap Singh Chawal
R/o C-4, Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Dichan Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Khub Ram and Ram Dayal sons of Jai Ram,
R/o Vill. Nangli Sakrawti Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Bhupender Singh s/o Sh. Des Raj,
R/o 34/42 Punjabi Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/2-81/4247—Whereas I,
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Nangli Sakrawti, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Nagli Sakrwti, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

27—336GI/81

Dated 23-10-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, II NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref : IAC/ACQ. II/S.R.-J/81-82/2-81/7363—Whereas I,
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. A-17 situated at Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chander Shekhar, Inder Kumar, Sushil Kumar, R/o EA-196, Tagore Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Vishanudass, Shiv Saran, Bhoj Raj, Balram Dhawan & Smt. Navin Dhawan, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-17, Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi.

VIMAL VASHISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date 23-10-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref IAC/ACQ II/S-RH/81-82/2-81/4189 —W
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring situated at 10 biswas, vill Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhartu s/o Sh Tukha & Sh Om Sorup
s/o. Sh. Chandgi R/o
Vill. Nawada,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Smt Sumitra Devi w/o
Shri Vir Singh,
R/o 3961, Gali Ahiran Pahari Dhuraj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land measuring 10 biswas situated at Vill Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-II/81-82/2-81/4229—Whereas I,
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No Qr 17/135 situated at Subhash Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt Krishna Devi w/o
Shri S.P. Talwar R/o
Behind shop No. 111,
Shanker Road, Market,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Raj Sethi s/o
Shri Jagan Nath Sethi,
R/o 13/76, Subhash Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Qr No 17/135, Subhash Nagar, New Delhi

SMT VIMAL VASHISHT,**Competent Authority****Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II Delhi/New Delhi**

Dated 23-10-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, II NEW DELHI**

New Delhi the 23rd October 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-II/81-82/4203—Whereas
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No A/82 situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Pritam Kaur w/o Rattan Singh D/o So Labh Singh R/o C-152 Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Ram w/o Tilak Raj Chhabra R/o 16/254 Ne Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/182, Hari Nagar Clock Tower, New Delhi.

SMT VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acn. Raqge II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. IAC/ACC. II/SR-II/81-82/2-81/4231—Whereas I,

VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agril land situated at Vill. Burari, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Hari Chand, Arjun Mahinder sons of Giani R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sanjeev Singh s/o Sar Pal Singh R/o A-26, Ring Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Burari, Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-JI, NFW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. IAC/ACQ. II/S.R.-II/81-82/2-81/4191—Whereas I—
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under **Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. A-163, situated at Fateh Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shanti Ghai w/o
Sh. B.G. Ghat R/o
WZ-215-C, Varinder Nagar,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar & Sh. Vijay Kumar w/o
Sh. Bhagat Ram R/o
444, Gali Rajan Kalan
Kashmere Gate,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. A-163, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, II New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref No IAC/ACQ II/SR-II/81-82/2-81/4293— Whereas I—
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No 11, situated at Jiwani Block, Ganga Ram Vatika, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ved Mittar s/o Sh. Hans Raj Bhatia r/o J-12, Jiwani Block, Ganga Ram Vatika, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sohagai Mal d/o Sh. Gurditta Mal r/o S-12, Rajouri Garden, Janta Market, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

One half portion of property No 11, Jiwani Block, Ganga Ram Vatika, New Delhi

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq Range, II, New Delhi.

Dated 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/2-81/4208—
VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 bighas 16 biswas, situated at Sahibabad Daulat pur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhagwan Singh, Raj Singh, Partao Singh and Ajit Singh son of Sh. Sarup Singh 1/o Vill. Sahibabad Daulat pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Awneet Kaur Bhatia w/o Sh. Joginder Singh Bhatia, r/o 2718/7, Chuna Mandi, Pahar Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 16 biswas, Sahibabad Daulat pur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—336GI/81

Dated 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi the 23rd October, 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-I/81-82/2-81/4209 Whereas I,

VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6 bighas 17 biswas situated at vill Sahibabad, Daulat pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Sh. Bhagwan Singh,
 Rai Singh,
 Partap Singh,
 Ajit Singh s/o
 Sh. Rup Singh,
 r/o Vill. Sahibabad Daulat pur,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur Bhatia w/o
 Sh. Balbir Singh r/o
 2718/7, Chhna Mandi,
 Pahar Ganj,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 7 biswas, Vill Sahibabad Daulat pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, II, New Delhi.

Dated 23-10-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/2-81/4230—Whereas I—
VIMAL VASHISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring situated at 10 biswas, vill. Nawada, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Sarup s/o
Sh. Chandgi & Bhantu
s/o Sh. Tinbha r/o
Vill. Nawada,
Delhi.

(2) Shri Kapil Kumar s/o
Lachhman Kumar r/o
1/9, Hindi Pura Near S. Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 biswas, vill Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi.

Dated 23-10-1981.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./81-82/1031—Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Plot No. 18 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Hazari Mal s/o N^end Ram,
Masuria, Pai Road,
Jodhpur.

(2) Smt. Rata Kalla W/o Jagdish Chopasani Road,
Dalda Bhawan,
Jodhpur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Beldar Colony, Masuria, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his No. 860 dated 24-4-1981

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipu

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-81.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ghewar Chand S/o
Mitha Lal Oswal Karnawat,
Niwasi Jaipur at present Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Chand S/o
Mitha Lal Oswal Karnawat,
Niwasi Pali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 24th August, 1981

Ref. No IAC/ACQ.1042—Whereas, I, M. L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 13-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential House at Ram Lila Ground, Pali & more fully described in the sale deed registered by S.R., Pali vide his registration No. 2164 dated 13-2-1981.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 24th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq/1043—Whereas, I M. L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri Gunan Mal Mehta, S/o
Shri Jeev Raj Ji Mehta,
City Police,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chirnra Ram Patel S/o
Natha Ram Patel,
Niwasli Village Kavi Raj Ji Ki Doll,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. 11, Section 4, Sector 1, Shastri Nagar, Johdpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide his registratin No. 967 dated 8-5-1981.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Adquisition Range, Jaipur.

Date : 24-8-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 24th August, 1981

Ref. No./IAC/Acq./1044—Whereas I, M.L.
CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11, situated at Jodhpur

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Guman Mal Mehta s/o
Shri Jeev Raj Ji Mehta,
City Police,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Tiloc Ram Patel S/o
Shri Chiman Ram Patel,
Niwas Village Kavi Raj Ji Ki Doli,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. 11, Section 4, Sector A, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur, vide his registration No. 966 dated 8-5-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely :—

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No.
M. L. CHAUHAN

—Whereas, I—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Shop No. 24, situated at Hanumangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 2-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal S/o
Shri Ranga Ram Niwasi,
Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shri Keshav Prashad S/o
Gopi Ram,
Niwasi Hanumangarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land at Shop No. 24, Green Mandi, Hanumangarh & more fully described in the sale deed registered by S R, Hanumangarh vide his No. 159 dated 2-2-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 30-9-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Lal S/o
Ranga Ram Arora,
Niwasi Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shri Keshav Prashad S/o
Gopi Ram Agarwal,
Niwasi Hanumangarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th September, 1981

Ref No - Whereas, I,
M. L. CHAUHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Shop No. 24 situated at Hanumangarh, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 29-1-1981 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of land of shop No. 24, Green Mandi, Hanumangarh & more fully described in the sale deed registered by S.R. Hanumangarh vide his registration No. 115 dated 29-1-1981.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—336GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(T) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No. —Wbreas, I, M. L.
CHAUHAN
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 153 situated at Kota

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Brijkanti Devi W/o
 Shri Basdev Sahai Bhargava
 Niwasi C-240, Dayanand Marg,
 Tilak Nagar,
 Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Suraj Bai W/o
 Shri Radha Raman Ji Rathi,
 Niwasi Kumbh Raj Distt.
 Guna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Eastern portion of house property No. 153 Vilabh Bari, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his registration No. 250 dated 2-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Jaipur.

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 30-9-1981.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vasdev Sahai Bhargava S/o
Shri Kishorilal Ji Bhargava,
Niwasi C-240, Dayanand Marg,
Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kesar Bai W/o
Shri Bakat Lal Ji,
Niwasi Kamraj
Distt. Guna (M.P.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur the 30th September 1981

Ref. No. M. L. CHAUHAN
 Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 153 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 2-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor of house property situated Plot No. 153, Vallabh Bari, Kota & more fully described in the sale deed registered by SR, Kota vidc his registration No. 252 dated 2-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No. —— Wberas I,

M.L. CHAUHAN

being the Competent Authority under the Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 153 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kota on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shri Satya Prakash Bhargava S/o
Shri Vasdev Sahai Bhargava,
Niwasi 247, Dayanand Marg,
Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Lata W/o
Shri Gopal Das Ji,
Niwasi Kum Raj,
Distt. Guna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at Plot No. 153, Vallabh Bari, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his registration No. 251 dated 2-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1981.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babu Ram Jain S/o
Mangal Ram Jain
Niwas Old Station Road,
Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Kesari Chand S/o
Suraj Mal,
1340 Kishanpole Bajar,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No. —Whereas, I
M.L. CHAUHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-72 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Eastern part of Plot No F-62, Subhash Marg, C-scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 892 dated 25-4-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1981.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur the 21st October, 1981

Ref. No JAC/Acqn./1096—Whereas, I M.L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot No 274 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Bannu W/o
Shri Kalla Ram Chaudhary,
Plot No. 274,
Sector A, Masuria,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Swaroop Bhansali s/o
Kundan Raj Bhansali,
R/o sardarpura at present Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

One storied residential house at Plot No. 274 sector A, Masuria, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 197 dated 6-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-10-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Amritsar the 30th september, 1981

Ref. No. ASR/81-82/233—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

One Shop situated in Bazar Gendawala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Satnam Singh s/o
S. Sohan Singh r/o
Bazar Bagh Jhanda Singh
Amritsar.

(2) Shmt. Kuldip kaur w/o
Sh Jit Singh r/o
Katra Mit Singh,
Amritsar.

(Transferor)

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop 2-1/2 storeyed situated in Br. Gandanwala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3352/I dated 3-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Amritsar

Date : 30-9-8

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**
Amritsar the 30th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/234—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Shops in Br. Ram Bagh Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ranjit Mohan s/o
Shri Mathura Dass R/o,
Kucha Tiwarian House No 3669/11,
Amritsar, now
Section 23-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Shukla alias Mina d/o,
Sh. Hans Raj w/o
Kewal Krishan r/o,
Kucha Tawarian,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any
Shri Surjit Singh 125/- p.m.
Shri Jaswant 70/- p.m.

(person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

To shops No. 28/1, 28/4, situated in bazar Ram Bagh scheme, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3463/ dated 19-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date 0-9-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/235 —Whereas, I ANAND SINGH
IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

No One plot in Kennedy Avenue situated at Amritsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

at SR Amritsar on Feb. 1981

(1) Chairman Amritsar, Improvement Trust Amritsar.
(Transferor)(2) Sh. Dial Singh s/o
Harnam Singh
through mukhtar aam,
Sh. Harnam Singh s/o,
Sh. Jodh Singh r/o
24-Keneddy Avenue,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 over at and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1030.35 sq. mtrs situated in Kenedy Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3427/I dated 12-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar.

Date : 30-9-81.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRTISAR

Amritsar the 3rd Oct. 1981

Ref. No. ASR/81-82/236—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One property in Qila Bhangian, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR Amritsar on Feb. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Beant Kaur w/o
Kulwant Singh,
Shri Kulwant Singh s/o,
Gurbachan Singh r/o,
31-Cross Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) Shmt. Promila w/o,
Sh. Behari Lal r/o,
Gall Thakurdawara,
Qila Bhangian
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One propdrty No. 1669/VIII-16, situated in Nawan Wehra, Kubi Beri, Qial Bhangian, Amritsar as mentioned in the sale deed No 3442/dated 16-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Amritsar.

Date : 3-10-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE AMRITSAR**

Amritsar the 3rd October 1981

Rej. N9. ASR/81-82/237.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One property in Qila Bhangian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Narinder Kaur alias Janki w/o
Sh Bhagat Singh, r/o
Delhi.
Sh. Kulwant Singh s/o,
Gurbachan Singh r/o,
31-Cross Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) Sh Mila Wati w/o,
Bhagwan Dass and
Shmt Raj Kumari w/o,
Sh. Sat Pal r/o
Kucha Thakurdawara Qila Bhangian,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.*

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1669/VIII-15, situated in Nawan Wehra, Kubi Beri Qila Bhangian, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3443 dated 16-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 3-10-1981.
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Parmananda Rout S/o Late Brundaban Rout
(Transferor)(2) Transport Corporation of India Ltd, Branch Office,
Jhala Sahi, Cuttack
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, BHUBNESWAR**

Bhubaneswar, the 13th August, 1981

Ref. No 1/81-82/IAC(A/R)/BBS—Whereas, I P. K. MISHRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1039 situated at Mouza Torala, Dt Cuttack (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Cuttack on 17-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mouza Torala, Thana Tangi, land area Ac. 1.86 Decs. Dt Cuttack.

P. K. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-81

Seal :